▪ भाद्रपद कृष्ण - 15 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 31 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 23-08-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत : वीरेंद्र सहवाग

6 मानसून सत्र : करोड़ों की बरबादी के साथ लोकतंत्र का तमाशा बना

7 मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया : तनीषा मुखर्जी

फर्स्ट टेक

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऑनलाइन गेमिंग प्रचार और विनियमन अधिनियम, 2025 को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस कानून का मकसद ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना, गेम्स के जरिए पैसे लूटने पर रोक लगाना और ई-स्पोर्ट्स को खेल के रूप में मान्यता देना है। इसके साथ ही इस कानून से नशे की लत से मुक्ति दिलाई जा सकेगी और आर्थिक नुकसान जैसे खतरों को भी रोका जा सकेगा। संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों ने इस विधेयक को पारित कर राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा था। इस कानून को शैक्षिक खेलों और सामाजिक गेमिंग सहित ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने और विनियमित करने के लिए लाया गया था। इस कानून में इस क्षेत्र के समन्वित नीति, रणनीतिक विकास और नियामक निगरानी के लिए एक प्राधिकरण की नियुक्ति का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री मोदी पर 'आपत्तिजनक' पोस्ट के लिए तेजस्वी यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

गढ़चिरौली/भाषा। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गढ़चिरौली से भाजपा विधायक मिलिंद नरोटे ने राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ शिकायत दी थी। अधिकारी ने कहा कि यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), धारा 356 (मानहानि), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और धारा 353 (सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने का कारण बनने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

भारत, बांग्लादेश 25 से ढाका में सीमा वार्ता करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारत और बांग्लादेश 25 अगस्त से ढाका में सीमा वार्ता शुरू करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाने के उपायों पर चर्चा करेंगे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पड़ोसी देश के असामाजिक तत्वों द्वारा उसके कर्मियों और भारतीय नागरिकों पर हमलों से संबंधित मुद्दों को उठाएगा। पिछले साल शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यह पहली बार होगा, जब भारतीय प्रतिनिधिमंडल ढाका की यात्रा करेगा। दोनों देश 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।

एसआईआर, 130वें संविधान संशोधन के विरोध के लिए

मोदी ने विपक्ष को आड़े हाथ लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- मोदी ने दावा किया कि उनकी 11 साल की सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है।
- प्रधानमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों में सामने आए अनेक घोटालों का भी जिक्र किया।

गयाजी (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) पर आरोप लगाया कि वह सत्ता के उच्च स्तरों पर भ्रष्टाचार को समाप्त करने के उद्देश्य से उठाए गए कदमों का और देश की जनसांख्यिकी के समक्ष घुसपैठियों से उत्पन्न खतरे से निपटने के लिए किए गए उपायों का विरोध कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने गयाजी में एक रैली में इस सप्ताह लोकसभा में अपनी सरकार द्वारा पेश किए गए संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 और बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा वर्तमान में किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख किया।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि दोनों विपक्षी दल संविधान (130वां संशोधन) विधेयक के खिलाफ हैं क्योंकि उनके अधिकतर नेता या तो जेल में हैं या जमानत पर हैं।

उन्होंने परोक्ष रूप से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जिक्र करते हुए कहा, हमने एक खेदजनक स्थिति देखी है जिसमें सत्ता में बैठे लोग जेल से सरकार चला रहे हैं, सलाखों के पीछे से फाइलों पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, संवैधानिक मर्यादा की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

मोदी ने दावा किया कि उनकी 11 साल की सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना, सफलता का श्रेय 'मेड इन इंडिया' हथियारों को

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सीमा पार आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने वाले 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार अपने हर संकल्प को पूरा करती है। उन्होंने देश की रक्षा को मजबूत करने में 'मेड इन इंडिया' हथियारों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा नीत सरकार हर संकल्प पूरा करती है। उन्होंने कहा, हमने हाल में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसका प्रमाण देखा है। हमारी सेना ने सीमा पार आतंकवादियों और उनके आकाओं के ठिकानों को खंडहर में बदल दिया। हमारी सेना ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया कि पाकिस्तान की नींद आज भी उड़ी हुई है।

व्यापार समझौते में किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा भारत : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। अमेरिका के भारतीय वस्तुओं पर नए शुल्क लगाए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत, अमेरिका के साथ किसी भी व्यापार समझौते में अपने किसानों या व्यापक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा।

शाह ने कोच्चि में 'मनोरमा न्यूज कॉन्क्लेव' में कहा, मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) ने स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी व्यापार समझौता भारत के हितों से ऊपर नहीं होगा।

गृह मंत्री ने प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान एक सवाल पर कहा, हमारे लोगों की कीमत पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। किसानों के हितों को खतरे में नहीं डाला जाएगा। हम जो कुछ भी करेंगे, उसमें राष्ट्र हित सर्वोपरि होगा।

शाह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल की खरीद जारी रखने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का ऐलान किया है। इससे वस्त्र, समुद्री उत्पाद और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ने की आशंका है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था महज एक दशक में दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से छलांग लगाकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। उन्होंने इसकी तुलना पिछली कांग्रेस सरकार से की, जिस पर उन्होंने अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार देने का आरोप लगाया।

शाह ने कहा, जब तक हम शिखर तक नहीं पहुंचते और महान भारत का निर्माण नहीं करते, किसी को आराम करने का अधिकार नहीं है।

इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के मॉडल का अनावरण किया

- भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पांच मॉड्यूल स्थापित करने की योजना बना रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को यहां शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के दौरान भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) मॉड्यूल के एक मॉडल का अनावरण किया।

भारत की योजना 2028 तक अपने स्वयं के निर्मित अंतरिक्ष स्टेशन, बीएएस के प्रथम मॉड्यूल को प्रक्षेपित करने की है। इससे भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जो कक्षीय प्रयोगशालाएं संचालित करते हैं।

वर्तमान में, दो कक्षीय प्रयोगशालाएं हैं – पांच अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संचालित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन।

अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत, भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पांच मॉड्यूल स्थापित करने की योजना बना रहा है।

बीएएस-01 मॉड्यूल का वजन 10 टन होने की उम्मीद है और इसे पृथ्वी से 450 किलोमीटर ऊपर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

इसकी मुख्य विशेषताओं में स्वदेशी रूप से विकसित पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस), भारत डॉकिंग सिस्टम, भारत बर्थिंग मैकेनिज्म, स्वचालित हैच सिस्टम, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के लिए प्लेटफॉर्म, वैज्ञानिक इमेजिंग और चालक दल के मनोरंजन के लिए व्यूपोर्ट शामिल हैं।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रणोदन और ईसीएलएसएस तरल पदार्थ फिर से भरने, विकिरण, तापीय तथा सूक्ष्म उल्कापिंड कक्षीय मलबा (एमएमओडी) संरक्षण, अंतरिक्ष सूट आदि संबंधी चीजें भी होंगी।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि 76 वर्षीय विक्रमसिंघे को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) मुख्यालय से गिरफ्तार किया गया, जहां उन्हें सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की जांच के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। उन पर सितंबर 2023 में अपनी पत्नी मैत्री के एक दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए इंग्लैंड की यात्रा करने के वास्ते सार्वजनिक धन का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। ऐसा आरोप है कि विक्रमसिंघे एक आधिकारिक कार्यक्रम के बाद अमेरिका से लौट रहे थे और अपनी पत्नी के एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सरकारी खर्च पर ब्रिटेन गए थे। सीआईडी ने यात्रा पर खर्चे के बारे में पहले उनके कर्मचारियों से भी पूछताछ की थी। विक्रमसिंघे ने 2024 के अंत तक शेष कार्यकाल के लिए गोटबाया राजपक्षे की जगह राष्ट्रपति पद संभाला था।

मुनीर का पाकिस्तान की तुलना डंपर ट्रक से करना नाकामी का कबूलनामा : राजनाथ

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर द्वारा भारत को परमाणु धमकी दिए जाने और अपने देश को ''डंपर ट्रक'' बताए जाने के कुछ दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह टिप्पणी ''हिंसक'' मानसिकता का प्रतिबिंब और इस्लामाबाद की ''विफलता'' की स्वीकारोक्ति है। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को अपने मन में कोई भ्रम नहीं रखना चाहिए।

रक्षा मंत्री का इशारा मुनीर की उस हालिया टिप्पणी की ओर था, जिसमें उन्होंने कहा था कि पड़ोसी देश भविष्य में नई दिल्ली के साथ किसी संघर्ष में अस्तित्व को खतरा पैदा होने की स्थिति में भारत और ''आधी दुनिया'' को नष्ट करने के लिए अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है।

रक्षा मंत्री ने 'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में यह भी कहा कि मुनीर द्वारा पाकिस्तान की तुलना ''डंपर ट्रक'' से किया जाना और ''भारत को एक चमचमाती मर्सिडीज जैसा बताना'' इस्लामाबाद की ''खुद की विफलता'' को दर्शाता है।

फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर कहा था, ''भारत मर्सिडीज की तरह चमक रहा है, फेरारी की तरह हाईवे पर आ रहा है, लेकिन हम बजरी से भरे एक डंपर ट्रक हैं। अगर ट्रक, कार से टकराता है तो नुकसान किसका होगा?''

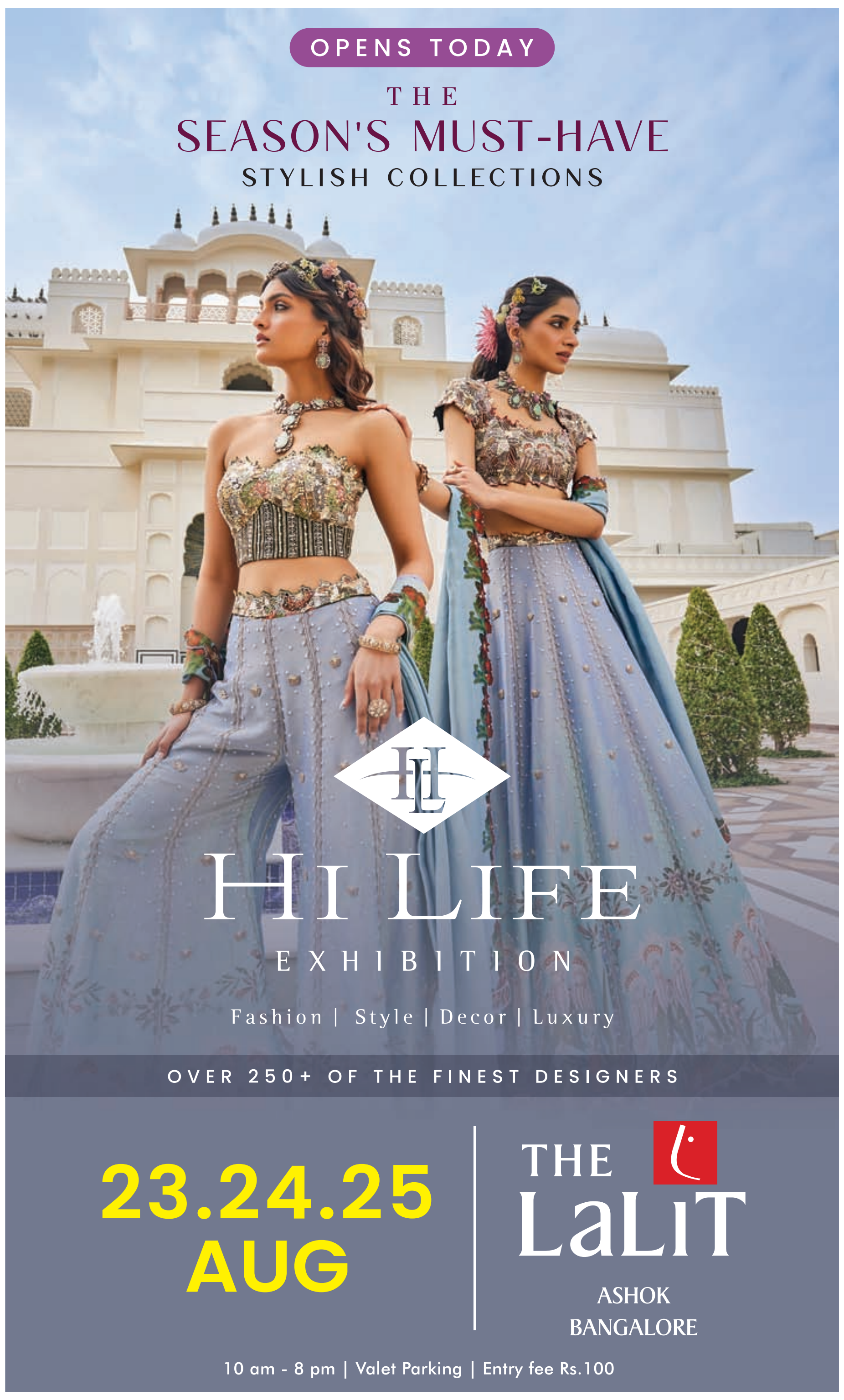

23-08-2025 सूर्यास्त	24-08-2025 सूर्योदय
6:36 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
81,306.85	24,870.10
(-693.86)	(-213.65)

सोना	चांदी
10,418 रु.	117,035 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बंदर बाँट

आजादी से पहले सारा,
यह देश बँटा जागीरों में।
जर जोरू और जमीन बँटी,
कातिल खूनी शमशीरों में।
अब बाँट रहे हैं सीटों में,
नेता जन को दलवीरों में।
सत्ताएं बदली ना बदला,
दुर्भाग्य लिखा तकदीरों में।।

आवारा कुत्तों को लेकर उच्चतम न्यायालय ने दिये निर्देश

आवारा कुत्तों को सड़कों पर खाना खिलाने पर लगाई रोक, निश्चित स्थान बनाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को व्यवस्था दी कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी। न्यायालय ने साथ ही दिल्ली-एनसीआर के नगर निगम अधिकारियों को इसके लिए निश्चित स्थान बनाने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने कहा कि किसी विशेष नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए। पीठ ने कहा, किसी भी हालत में सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीठ में न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस बोर्ड लगाए जाएं, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि यह क्षेत्र आवारा कुत्तों को भोजन देने के लिए है।

उच्चतम न्यायालय के फैसले की मुख्य बातें

- शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों से छोड़ने पर रोक संबंधी 11 अगस्त के निर्देश को फिलहाल स्थगित रखने का फैसला किया।
- न्यायालय ने कहा कि पकड़े गए आवारा कुत्तों का बंध्याकरण किया जाएगा, उनका कृमिहरण एवं टीकाकरण किया जाएगा और उन्हें उसी क्षेत्र में वापस छोड़ दिया जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था।
- शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि रेबीज से संक्रमित या रेबीज से संक्रमित होने की आशंका वाले और आक्रामक व्यवहार वाले आवारा कुत्तों पर यह आदेश लागू नहीं होगा।
- न्यायालय ने कहा कि रेबीज से संक्रमित और आक्रामक व्यवहार वाले आवारा कुत्तों का बंध्याकरण एवं टीकाकरण किया जाएगा, लेकिन उन्हें सड़कों पर नहीं छोड़ा जाएगा।
- उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आक्रामक कुत्तों को बंध्याकरण और टीकाकरण के बाद अलग बाड़े या आश्रय स्थल में रखा जाएगा।
- न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नगर निगम अधिकारी दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनके लिए तुरंत आश्रय स्थल बनाने के 11 अगस्त के निर्देश का अनुपालन जारी रखेंगे।
- शीर्ष अदालत ने नगर निकायों को प्रत्येक नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए समर्पित भोजन क्षेत्र बनाने के निर्देश दिए।
- न्यायालय ने कहा कि संबंधित नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्र बनाए या चिह्नित किए जाने चाहिए।
- शीर्ष अदालत ने कहा कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस बोर्ड लगाए जाने चाहिए, जिन पर इस बात का स्पष्ट जिक्र हो कि आवारा कुत्तों को केवल ऐसे क्षेत्रों में ही खाना खिलाया जाएगा।

संस्कृति और प्रजा की रक्षा में जैन श्रेष्ठियों का महत्वपूर्ण योगदान : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शुक्रवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्व-बुद्धि-वीर वाटिका के विशाल पंडाल में पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि वस्तुपाल और तेजपाल ने गुजरात में शांति व आपसी सौहार्द के लिए विशेष प्रयास किए थे। देश और राज्यों के वर्तमान सभी नायकों को भेदभाव रहित प्रामाणिक नीति अपनाकर, सबके प्रति सद्भाव रखते हुए सबकी भलाई का सोचना चाहिए, यही लोकतंत्र की खरी सफलता है। आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि आज देश में सांप्रदायिक कट्टरता चरम पर है। अपने वोट बैंक के लिए राजनेता प्रजा को भ्रमित कर रहे हैं। अनेक राजनेता तो प्रजा की भलाई के लिए नहीं, सिर्फ अपनी कुर्सी के लिये दिनरात एक कर रहे हैं। जहां देखो वहां नैतिक मूल्यों का निरंतर ह्रास हो रहा है। वर्तमान युग में कोई किसी पर जल्दी विश्वास करने को तैयार नहीं है। अच्छाइयों के प्रति जनसामान्य की आस्था टूटती जा रही है। ऐसे दौर में करीब 800 वर्ष पहले गुजरात के तत्कालीन महामंत्री वस्तुपाल और सेनापति तेजपाल जैसे जैन श्रेष्ठियों के योगदान को याद किया जाना चाहिए। स्वयं जैनधर्मी होते हुए भी उन्होंने हिन्दू, मुसलमान, बौद्ध और दलित, सभी जाति-वर्गों की भलाई के लिए पूरी निष्ठा और प्रमाणिकता से अपने कर्तव्यों को निभाया था। सरकार का खजाना खाली करके वाहवाही लूटना सरल है, लेकिन आपनी मेहनत की कमाई से लोगों के दुःख-दर्द दूर करना वास्तविक परोपकार है। ङ्ग आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आगे कहा कि तत्कालीन गुजरात में मुसलमानों की संख्या भी काफी थी। वस्तुपाल और तेजपाल ने उनके साथ भी कोई भेदभाव नहीं होने दिया था। तत्कालीन ऐतिहासिक ग्रंथों में ऐसी अनेक बातों के गौरवशाली उल्लेख है। लोकजीवन में रहकर इतना सब करते हुए भी वे अपने धर्म, सदाचार, संस्कृति और शाकाहार को पूरी तरह समर्पित थे। अपनी कार्य कुशलता से उन्होंने राजा विशल के शासन काल को सशक्त बनाया था। आधुनिक राजनीति में ऐसे निस्वार्थ नायकों की संख्या बहुत कम हैं, लेकिन जो हैं उन्हें अपना समर्थन देकर सशक्त बनाने की आवश्यकता है। गणि पद्मविमलसागरजी ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

'समता की साधना का अनूठा प्रयोग है अभिनव सामायिक'

मंड्या/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन अभिनव सामायिक का आयोजन उपासक पदमचंद आंचलिया एवं संदीप दुग्गड़ के सान्निध्य में किया गया। उपासक पदमचंद ने सामायिक को समता की साधना और आत्मा को निर्मल करने का महत्वपूर्ण उपक्रम बताया। सामायिक में व्यक्ति 48 मिनट के लिए सारे सांसारिक कार्यों का त्याग करके आध्यात्म साधना में लीन हो जाता है। उन्होंने उपस्थित सभी श्रावक समाज को सामायिक दिवस पर समतामय जीवन जीने की बात कही।

सामायिक संवर की साधना मोक्ष का वरण करने के लिए महत्वपूर्ण उपक्रम बताया। उपासक संदीप दुग्गड़ द्वारा अभिनव सामायिक के अंतर्गत त्रिपदी वंदना, त्रिगुप्ति की साधना, मंत्रों का जाप, ध्यान एवं स्वाध्याय आदि विभिन्न उपक्रमों के साथ प्रयोग करवाएं गए। अभिनव सामायिक में तेरापंथ सभा, महिला मंडल, युवक परिषद्, किशोर मंडल, कन्या मंडल एवं सभी संस्थाओं के सदस्यों की सहभागिता थी।

सेवा
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लायंस क्लब दोड्डबलापुर द्वारा आयोजित नोटबुक्स एवं स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, आकाश सुवर्णा , उषा कुमारी आदि।

रोड धर्म की पुष्टि के लिए होता है पौषध तप : साध्वी मयूरयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाजी ने पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन पौषध व्रत का वर्णन किया। धर्म की पुष्टि के लिए पौषध किया जाता है। चार गति का छेदन करने के पौषध के चार प्रकार बताए गए है। एक आहार पौषध यानी आहार का त्याग करना, उपवास, आयंम्बिल, एकासन आदि तप करना। दूसरा शरीर सत्कार त्याग पौषध यानी सौंदर्य प्रसाधन का त्याग करना। तीसरा ब्रह्मचर्य पौषध यानी पांच इंद्रियों पर नियंत्रण करना और चौथा आरंभ समारंभ त्याग रूप पौषध यानी मन, वचन, काया से पाप व्यापार का त्याग करना। आहार पौषध करने से तपधर्म की, शरीर सत्कार त्याग पौषध करने से शील धर्म की, ब्रह्मचर्य पौषध करने से सूक्ष्म जीवों को अभय दान देने, रूप दान धर्म की और आरंभ समारंभ त्याग पौषध करने से भाव धर्म की आराधना होती है।

जम्मू : 'कस्टोडियन भूमि' हड़पने के मामले में ईडी की छापेमारी

जम्मू/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को जम्मू क्षेत्र में राजस्व विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी 'कस्टोडियन भूमि' पर कथित कब्जे से जुड़े धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत की गई। 'कस्टोडियन भूमि' से तात्पर्य भारत में 'शत्रु संपत्ति' से है जो कि शत्रु संपत्ति अधिनियम 1968 के तहत 'शत्रु' घोषित पाक नागरिकों के स्वामित्व वाली भूमि व अन्य संपत्ति है। सूत्रों ने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत जम्मू में कम से कम नौ और उधमपुर में एक स्थान पर छापेमारी की गई।

सामायिक का मतलब है समता में रहना : साध्वी सोमयशा

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में हुई अभिनव सामायिक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा अभिनव सामायिक का आयोजन किया गया। तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल ने सबका स्वागत किया। अभातेयुप के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने बताया कि आज के दिन अभिनव सामायिक पूरे देशभर में और विदेश में भी आयोजित हो रही है। तप, ध्यान, स्वाध्याय के सूत्र मिल जाते है तो अभिनव सामायिक बन जाती है। साध्वी सोमयशाजी ने त्रिपदी वंदना, जप, त्रिगुप्ति साधना एवं स्वाध्याय से विधिपूर्वक अभिनव सामायिक सम्पादित करवाई। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने कहा कि सामायिक का मतलब है समता में रहना और सावध्य योग का त्याग। साध्वी सोमयशाजी ने सामायिक के समय कालमान 48 मिनट के साथ साथ तेरापंथ की त्रिपदी एक आचार, एक विचार, एक अनुशासन एवं भगवान महावीर की त्रिपदी उत्पाद, व्यय, श्रेय के बारे में बताया। सामायिक दिवस पर तेरापंथ महिला मण्डल यशवंतपुर ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कमलेश गन्ना, विनोद मुथा, तेरापंथ सभा यशवंतपुर के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, महिला मण्डल की अध्यक्ष रेखा पितलिया, आदर्श साहित्य संघ के साहित्य प्रचारक रामलाल गन्ना, तुलसी चेतना केन्द्र के अध्यक्ष मदनलाल बोराणा, गौतमचंद मुथा, कैलाश बोराणा एवं अनेक गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान तेयुप द्वारा किया गया।

मुक्ति के लिए है पर्युषण पर्व : साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/दक्षिण भारत। शहर के शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्रसूरी गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने पर्युषण पर्व के तृतीय दिवस पर कहा कि यह पर्व आध्यात्मिक यात्रा का पर्व है। यह पर्व अनासक्त होकर मुक्त होने का संदेश देता है। पर्युषण पर्व के माध्यम से जीवन यात्रा में स्वयं से जुड़ने का अवसर आया है। एक या दो दिनों के लिए नहीं बल्कि पूरे आठ दिनों के लिए। यहां से कोई अपनी आध्यात्मिक यात्रा का प्रारंभ करेगा तो कोई आध्यात्मिकता को सुदृढ़ करेगा। ध्यान रहे कि हमें आध्यात्मिक ऊंचाई को प्राप्त करने वाले श्रमण भगवान महावीर का जीवन मात्र श्रवण नहीं करना है अपितु उनके जैसी साधना को प्रारंभ करना है। पर्युषण परंपरा को निभाने के लिए नहीं, पर्युषण कार्यक्रमों को करने के लिए नहीं बल्कि पर्युषण मुक्ति के लिए है, आध्यात्मिक शक्ति व आत्म विकास के लिए है।

पर्युषण दुःखों से मुक्त होने के लिए साधना का वह समय है जो हमें अपने लिए निकालना है। संघ के उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने सभी का स्वागत किया। भक्तामर पाठ का लाभ गुलाबीबाई जोमतराज भंडारी, पंचकल्याणक पूजन का लाभ भंवरलाल पेराजमल परिवार ने लिया। प्रथम बार होने वाले महावीर जन्म वांचन कार्यक्रम की जाजम बिछाने का लाभ रमेशकुमार दुर्गचंद मुथा परिवार ने लिया। संघ के अध्यक्ष पुनमचंद सोलंकी ने सभी को धन्यवाद दिया।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में उभरते देशों को एकजुट करने के लिए भारत को नेतृत्व करना चाहिए : सारस्वत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत ने शुक्रवार को कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में रुचि रखने वाले उभरते देशों को एकजुट कर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष गठबंधन बनाने में भारत को एक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक विकास के लिए अंतरिक्ष परिसंपत्तियों और उपग्रह नेटवर्क की निगरानी जैसे साझा महत्व के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

भारत 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'चंद्रयान-3' के उतरने के उपलक्ष्य में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाता है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर सारस्वत ने कहा कि वर्तमान परस्पर निर्भर विश्व में वैश्विक अंतरिक्ष गठबंधन एक प्रमुख आवश्यकता है, जहां भारत विभिन्न देशों के साथ अंतरिक्ष प्रणालियों, अनुप्रयोगों के विकास और उनके उपयोग पर काम कर रहा है। वैश्विक स्तर पर, नए अंतरिक्ष युग को बड़े रुझानों द्वारा परिभाषित किया जा रहा है। हम छोटे उपग्रहों, अंतरिक्ष निर्माण और अंतरिक्ष डेटा को आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स), स्वचालन और शासन में एकीकृत करने वाले अनुप्रयोगों के समूह की बात कर रहे हैं। सारस्वत 'नेशनल मीट-2' को संबोधित कर रहे थे, जो इसरो और विभिन्न सरकारी विभागों के बीच एक संवाद कार्यक्रम था। आयोजन में इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष पवन गोयनका भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की निगरानी, आर्थिक विकास के लिए उपग्रह नेटवर्क, सीमा सुरक्षा, पर्यटन, अंतरिक्ष में मलबे में कमी लाने, अंतरिक्ष अन्वेषण, अंतरिक्ष आधारित ऊर्जा और भविष्य के लिए कानूनी ढांचे के संबंध में एक वैश्विक गठबंधन आवश्यक है। सारस्वत ने कहा कि अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, मज़बूत औद्योगिक आधार और उद्यमशीलता की भावना के साथ भारत वैश्विक परिदृश्य में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वरिष्ठ जनों का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वनबंधु परिषद की महिला समिति द्वारा गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया गया। 'हमारी पहचान-हमारे वरिष्ठजन' थीम पर 60 वर्ष का वैवाहिक जीवन पूर्ण करने वाली 10 दम्पति को आमंत्रित किया तथा सम्मानित किया। अध्यक्ष कांता काबरा ने स्वागत करते हुए कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की नींव हैं और उनके अनुभवों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। राष्ट्रीय महिला समिति की सरिता भंसाली ने इस दिवस को मनाने के उद्देश्य व विशेषताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वरिष्ठ जनों के जीवन के अनुभवों साझा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सरोज डागा ने किया। सचिव अनीता जैन ने धन्यवाद दिया।

चरित्रवान मनुष्य प्रभु का भी प्रिय होता है : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि हर भक्त की कामना होती है कि उसका कर्म घटे और वह कर्मों से मुक्त हो। जन्म जन्मांतर के दुखों से बच सके। मनुष्य की यही कामना होती है कि उसको दुख न मिले। मनुष्य के जीवन में जब दुख आता है तो प्रभु से दुखों की दवा मांगता है। सौ रोगों की एक दवा प्रभु वाणी का श्रवण करना है। आगम में बताए मार्ग पर अगर मनुष्य चलेगा तो उसके कर्मों की निर्जरा हो जाएगी। कर्मों की निर्जरा होते की संसार के दुखों से मुक्ति मिल जाती है। मनुष्य का दुख-सुख उसके चेहरे से ही दिख जाता है। जो माता-पिता को सुखी करते हैं ऐसे बेटे बहुत दुर्लभ मिलते हैं। मां-बाप को दुखी करने वाले हमेशा परेशान रहते हैं। ङ्गमुनिश्री ने कहा कि अंतकृत दशांक सूत्र में उल्लेख है कि जिसका मन, आत्मा पवित्र है ऐसे मनुष्य को दानव, देवता भी नमस्कार करते है। मनुष्य अपनी तपस्या से किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। जिस मनुष्य ने क्रोध को बस में कर लिया उसका कल्याण निश्चित है। मोक्ष प्राप्ति के लिए ज्ञान, दर्शन और चरित्र का आचरण होना चाहिए। यह पर्व मनुष्य को अंदर की आंखे खोलने का मौका देता है। तपस्या करके मोक्ष के मार्ग को मजबूत कर लेना चाहिए।

मनुष्य को चाहिए कि पहले जानें, फिर मानें और फिर उसको अमल करें। जिसने चरित्र और सत्य को संभाला, उसका पालन स्वयं भगवान करते हैं। सभा में जैन कांफ्रेंस कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष पुखराज मेहता, वसंतराज रांका और सुरेश बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। काफी लोगों ने तीन उपवास की तपस्या के पच्चखान ग्रहण किए। सभी का स्वागत संघ के संयोजक नेमीचंद लुंकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

यूएसएड को भारत में मतदान के लिए 2.1 करोड़ डॉलर नहीं मिले : दूतावास ने विदेश मंत्रालय को बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय ने संसद में कहा कि अमेरिकी दूतावास ने जानकारी दी है कि ''यूएसएड/भारत ने वित्त वर्ष 2014 से 2024 तक भारत में मतदान प्रतिशत के लिए 2.1 करोड़ डॉलर का न तो वित्तपोषण लिया, न ही प्रदान किया, न ही इसने भारत में मतदान प्रतिशत से संबंधित कोई कार्य संपन्न किया है।

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को माकपा के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही। ब्रिटास ने भारतीय चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए ''संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के धन के उपयोग का दावा करने वाली रिपोर्ट'' पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की स्थिति के बारे में सवाल किया था। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने अपने लिखित जवाब में कहा, 28 फरवरी को विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास से अनुरोध किया कि वह पिछले दस साल में भारत में यूएसएड द्वारा सहायता प्राप्त/वित्त पोषित सभी परियोजनाओं (भारत सरकार के साथ सात साझेदारी करारों के तहत क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं को छोड़कर) पर किए गए व्यय का विवरण तत्काल प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा, दो जुलाई को, अमेरिकी दूतावास द्वारा आंकड़े साझा किए गए, जिसमें उनके अनुसार 2014 से 2024 तक भारत में यूएसएड द्वारा किए गए वित्तपोषण में कार्यान्वयन भागीदारों, उद्देश्यों और प्रत्येक गतिविधि की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण शामिल है।

श्रावक डिजिटल डिटॉक्स के लिए भी सामायिक करें : मुनि पुलकित कुमार

गांधीनगर तेरापंथ भवन में सामायिक दिवस मनाया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा पर्युषण महापर्व की आराधना का तीसरा दिवस सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने सामायिक का महत्व बताते हुए कहा कि मन को एकाग्रता दिलाने वाली होती है सामायिक। जैन उपासना पद्धति में सामायिक का विशेष स्थान है। साधुता की भूमिका तक पहुंचने का पहला पायदान सामायिक को बताया गया है। सामायिक का अर्थ है आत्मा में रमण करना। पर्युषण में सामायिक की विशेषता है। मन की उलझन को दूर करने वाली होती है सामायिक की आराधना। मुनिश्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में श्रावक श्राविकाएं मोबाइल-टीवी आदि की लत से प्रभावित हो रहे हैं अतः उनके लिए डिजिटल डिटॉक्स की सामायिक करना आवश्यक हो गया है। युवा भी डिजिटल डिटॉक्स की सामायिक करें।ङ्ग मुनिश्री आदित्य कुमारजी ने अभिनव सामायिक का प्रयोग करवाते हुए कहा कि सामायिक संसार से सिद्धि तक ले जाती है। अभिनव सामायिक में 1100 सामायिक हुई। तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने स्वागत किया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमल कटारिया, क्षेत्रीय संयोजक गौतम दक ने रविचार प्रस्तुत किए। महासभा सदस्य प्रकाश लोढ़ा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में तपस्वियों ने तप के संकल्प लिए। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने गुरु दर्शनार्थ अहमदाबाद जाने वाले संघ की विस्तृत जानकारी दी ।

पंजाब: लोगों ने जिम्बावे के छात्र को लाठियों से पीटा, आठ दिन बाद हुई मौत

बठिंडा/भाषा। पंजाब के शहर बठिंडा में भीड़ द्वारा 13 अगस्त को कथित तौर पर पीटे जाने के बाद घायल हुए जिम्बावे के 22 वर्षीय छात्र की मौत हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। गुरु काशी विवि के सुरक्षा गार्ड दिलप्रीत सिंह और आठ अन्य लोगों ने कथित तौर पर जीवेया लीरॉय की पिटाई की। लीरॉय की बृहस्पतिवार को बठिंडा के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त को लीरॉय की कार में बेसबॉल क्लब मिलने के बाद सुरक्षा गार्ड और उसके बीच बहस हुई। एक दिन बाद दिलप्रीत और उसके आठ अन्य साथियों ने कथित तौर पर लीरॉय को लाठियों से पीटा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

एअर इंडिया की मुंबई-जोधपुर उड़ान 'परिचालन संबंधी कारणों' से की रद्द

मुंबई/भाषा। मुंबई से जोधपुर जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान शुक्रवार को 'परिचालन' संबंधी कारणों से निरस्त कर दी गई और विमान को वापस 'बे' में लाया गया।

टाटा के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी 'एअर इंडिया' ने एक बयान में कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई। लेकिन इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई। बयान में कहा गया है, मुंबई से जोधपुर के लिए 22 अगस्त की उड़ान संख्या एआई645 एक परिचालन संबंधी समस्या के कारण रद्द कर दिया गया है और विमान को 'बे' में लाया गया। कॉकपिट के चालक दल ने मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उड़ान को रोकने का फैसला किया और विमान को वापस ले आए।

बयान में कहा गया, मुंबई में हमारी 'ग्राउंड टीम' ने असुविधा को कम करने के लिए तत्काल सहायता प्रदान की।

कभी न तो डरूंगी और न ही हार मानूंगी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'जनसुनवाई' के दौरान हुए हमले के दो दिन बाद शुक्रवार को औपचारिक तौर पर कामकाज फिर शुरू करते हुए कहा कि वह कभी न डरेंगी, न ही हारेंगी और राष्ट्रीय राजधानी के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेंगी।

रेखा गुप्ता ने यमुना पार इलाके के गांधी नगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संघर्ष उनका 'अटल संकल्प' है। उन्होंने कहा, आपकी मुख्यमंत्री न तो डरेंगी, न थकेंगी और न ही हारेंगी। मैं आपके साथ तब तक संघर्ष करती रहूंगी जब तक दिल्ली को उसके अधिकार नहीं मिल जाते। यह मेरा अटल संकल्प है। गुजरात के राजकोट निवासी राजेशभाई खिमजी ने बुधवार सुबह दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके स्थित मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले 10-12 वर्ष में दिल्ली पिछड़ गई है लेकिन भाजपा की सरकार विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव बजटीय सहायता का आश्वासन भी दिया और कहा कि इससे एक विकसित दिल्ली के निर्माण में मदद मिलेगी।

रेखा गुप्ता ने हमले के दो दिन बाद एशिया के सबसे बड़े रेडीमेड गारमेंट केंद्र गांधी नगर में 'एसोसिएशन ऑफ होलसेल गारमेंट डीलर्स' की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भाग लेकर अपने आधिकारिक कार्यों की फिर से शुरुआत की।

शिवकुमार ने कर्नाटक विधानसभा में 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' गाकर सबको चौंकाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रार्थना की कुछ पंक्तियां गाकर सबको चौंका दिया। आईपीएल में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। शिवकुमार को उस समय आरएसएस की शाखाओं में की जाने वाली प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की शुरुआती कुछ पंक्तियां गाते देखा गया, जब भाजपा विधायक उन पर भगदड़ के दौरान 'उकसाने' का आरोप लगा रहे थे। विधायकों ने आरोप लगाया कि शिवकुमार बेंगलूरु हवाई अड्डे पर आरसीबी टीम के आगमन पर खिलाड़ियों को लेने गए थे और हवाई अड्डे से चिन्नास्वामी स्टेडियम तक पूरी यात्रा के दौरान कन्नड़ झंडा लहराते रहे।

आरोपों का जवाब देते हुए, शिवकुमार ने कहा, ''मैं कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) का सदस्य हूं और केएससीए सचिव समेत संस्था के लोग मेरे मित्र हैं। मैं बेंगलूरु का प्रभारी मंत्री हूं। मैं (4 जून को) हवाई अड्डे और स्टेडियम गया था। मैंने कर्नाटक का झंडा भी थामा, उन्हें (आरसीबी को) शुभकामनाएं दीं और कप को भी चूमा। मैंने अपना काम किया।''

उन्होंने आगे कहा, ''दुर्घटना हुई। ऐसी घटनाएं दूसरे राज्यों में भी हुई हैं। जरूरत पड़ने पर मैं उन घटनाओं की सूची भी पढ़कर सुनाऊंगा, जो अन्य जगहों पर भी हुई हैं। मेरे पास भी आपके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है।'' उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह गृह मंत्री जी परमेश्वर के साथ पले-बढ़े हैं। इस पर, विपक्ष के नेता, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक आर अशोक ने शिवकुमार को याद दिलाया कि उन्होंने एक बार कहा था कि वह 'आरएसएस की चड्डी' पहनते हैं। इसी दौरान शिवकुमार ने मुस्कराते हुए 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे......' गाना शुरू कर दिया। विपक्ष ने इस पर मेजें थपथपाईं, लेकिन कांग्रेस खेमे में सन्नाटा छा गया।

भाजपा विधायक वी. सुनील कुमार ने चुटकी लेते हुए कहा, ''उम्मीद है कि ये पंक्तियां (सदन के) रिकॉर्ड से नहीं हटाई जाएंगी।'' शिवकुमार ने कहा, ''आपको गर्व होना चाहिए कि इस सरकार ने (भगदड़ के बाद) तुरंत कार्रवाई की.... और पुलिस अधिकारियों और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ कार्रवाई शुरू की।'' वीडियो वायरल होते ही उनके भाजपा की ओर झुकाव को लेकर सवाल उठने लगे। शिवकुमार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह एक कट्टर कांग्रेसी नेता हैं। उन्होंने कहा, ''मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं, भाजपा-आरएसएस से हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं उठता।''

उन्होंने विधान सौधा में संवाददाताओं से कहा, ''मेरा खून कांग्रेस है और मेरा जीवन कांग्रेस है। मुझे राज्य में पार्टी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है और मैं पूरी दृढ़ता से पार्टी के साथ खड़ा हूं।'' विधानसभा में आरएसएस की प्रार्थना गाने के बाद भाजपा और आरएसएस से हाथ मिलाने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा, ''प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मेरे हाथ मिलाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। एक राजनीतिक दल के नेता के तौर पर मैं भाजपा और जनता दल (एस) के बारे में शोध करता रहता हूं। इसी तरह, मैंने आरएसएस पर भी शोध किया है।''

उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि आरएसएस राज्य में अपना संगठन कैसे बना रहा है। उन्होंने कहा, ''आरएसएस बड़ी मात्रा में निवेश कर रहा है और हर जिले और हर तालुका में शैक्षणिक संस्थानों को अपने साथ जोड़ रहा है। वह छात्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनके राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन एक नेता के तौर पर यह समझना जरूरी है कि उनके दोस्त और दुश्मन कौन हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने इसी वजह से आरएसएस के इतिहास के बारे में भी जाना है। किसी भी संगठन में कुछ सकारात्मक चीजें होती हैं और हमें उनका अवलोकन और अध्ययन करने की जरूरत है।''

सिद्दरामय्या ने भाजपा शासित राज्यों में भगदड़ की 20 घटनाओं का जिक्र किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाजपा शासित राज्यों में भगदड़ की घटनाओं का उल्लेख करते हुए गत चार जून को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ की घटना के लिए 'सामूहिक उन्माद' को ज़िम्मेदार ठहराया। सिद्दरामय्या ने आईपीएल में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित समारोह के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की घटना पर सदन में चर्चा के दौरान यह बात कही। भगदड़ की घटना में 11 लोगों की जान चली गई थी।

मुख्यमंत्री ने भगदड़ की घटनाओं की सूची पढ़ी। उन्होंने 3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के नैना देवी मंदिर में हुई भगदड़ का उल्लेख किया, जब भाजपा नेता प्रेम सिंह धूमल मुख्यमंत्री थे। इसके बाद उन्होंने 2008 में जोधपुर में हुई भगदड़ का भी ज़िक्र किया, जिसमें 250 लोग मारे गए थे।

उन्होंने अन्य ऐसी घटनाओं का भी उल्लेख किया जिनमें 2013 में रतनगढ़, 2021 में हरिद्वार, 2023 में मध्य प्रदेश के सीहोर और 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस के हादसे शामिल हैं। उन्होंने इस साल जनवरी में कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज में हुई भगदड़ का भी जिक्र किया, जिसमें 39 लोगों की जान चली गई थी। मुख्यमंत्री ने 2022 में गुजरात के मोरबी पुल हादसे का भी ज़िक्र किया जिसमें 135 लोगों की मौत हो गई थी।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''मेरे 42 साल के राजनीतिक जीवन में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। मैंने कभी भगदड़ में 11 लोगों को मरते नहीं देखा। मुझे बहुत दुख हुआ। मैंने उसी दिन अपना दुख व्यक्त किया था।'' उन्होंने सवाल किया ''जब कोविड के दौरान चामराजनगर में ऑक्सीजन की कमी से 36 लोगों की मौत हो गई थी तो क्या आपने तत्कालीन मुख्यमंत्री बोम्मई को जिम्मेदार ठहराया था? क्या प्रयागराज कुंभ मेले में भगदड़ की घटना के बाद योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, जिसमें 39 लोग मारे गए थे?'' उन्होंने कहा कि लोगों ने आईपीएल मैच में आरसीबी टीम की जीत को बेंगलूरु का गौरव माना। इससे पैदा हुआ जन उन्माद ही भगदड़ की वजह था।

सिद्दरामय्या ने कहा कि ''उन्हें आरसीबी के विजय समारोह में शामिल होना पड़ा था। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में हमें कभी-कभी लोगों की अपेक्षाओं के आगे झुकना पड़ता है। यही लोकतंत्र की निशानी है।''

ईडी ने 'अवैध' सट्टेबाजी मामले में कर्नाटक के विधायक के खिलाफ छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले में कर्नाटक के कांग्रेस विधायक के सी वीरेंद्र 'पप्पी', उनके भाई और कुछ अन्य के खिलाफ कई राज्यों में छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वीरेंद्र (50) चित्रदुर्गा विधानसभा सीट से विधायक हैं। राज्य विधानसभा सत्र के अंतिम दिन हुई ईडी की कार्रवाई पर विधायक की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

सूत्रों ने बताया कि कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले, बेंगलूरु और हुब्बल्ली, राजस्थान के जोधपुर, मुंबई और गोवा में कम से कम 30 स्थानों पर धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली गयी। उन्होंने बताया कि गोवा में 'पप्पीज कैसीनो गोल्ड', 'ओशन रिवर्स कैसीनो', 'पप्पीज कैसीनो प्राइड', 'ओशन 7 कैसीनो' और 'बिग डैडी कैसीनो' पर भी छापे मारे गए। ईडी सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, वीरेंद्र पर किंग567, राजा567, पप्पीज003, रत्ना गेमिंग आदि जैसी ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइट संचालित करने का आरोप है और उनके भाई के सी थिप्पेस्वामी पर दुबई से डायमंड सॉफ्टेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम9 टेक्नोलॉजीज नामक तीन व्यापारिक संस्थाओं को 'संचालित' करने का आरोप है। ये संस्थाएं वीरेंद्र की कॉल सेंटर सेवाओं और गेमिंग व्यवसाय से ''संबंधित'' हैं। एजेंसी सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु में कुसुमा एच के भाई अनिल गौड़ा नामक व्यक्ति के परिसरों पर भी छापेमारी की गई। कुसुमा ने कांग्रेस के टिकट पर राजराजेश्वरीनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन असफल रहे थे।

बेंगलूरु के सहकारनगर इलाके में स्थित वीरेंद्र के घर पर और वीरशैव एसोसिएशन के सचिव प्रसन्ना कुमार के घर पर भी छापा मारा। सूत्रों के अनुसार, विधायक वीरेंद्र इस समय एक व्यावसायिक दौरे पर राज्य से बाहर हैं। दिल्ली से आई ईडी की एक टीम ने सुबह-सुबह निजी वाहनों से छापेमारी शुरू की। फिलहाल आगे की जानकारी का इंतजार है। गौरतलब है कि 2016 में विधायक वीरेंद्र, जो उस वक्त जेडी(एस) पार्टी में थे, को तब गिरफ्तार किया गया था जब आयकर विभाग ने उनके बाथरूम में बने एक गुप्त कक्ष से 5.70 करोड़ रुपये की नई करेंसी बरामद की थी। अधिकारियों को चल्लकेरे कस्बे में विधायक के घर से बाथरूम की टाइलों के पीछे छिपाकर रखे गए 32 किलो सोने के बिस्कुट और आभूषण मिले थे। इसके अलावा, 90 लाख रुपये के पुराने नोट भी बरामद हुए थे। इस मामले में वीरेंद्र के अलावा, चित्रदुर्ग के दो बिचौलियों और चार बैंकों के कुछ अज्ञात अधिकारियों के नाम भी एफआईआर में दर्ज किए गए हैं। बाद में, सीबीआई की जांच में पता चला कि विधायक वीरेंद्र और कुछ बैंक अधिकारियों ने 2016 में बंद हो चुके 5.76 करोड़ रुपये के नोटों को 2,000 और 500 रुपये के नए नोटों में बदलने की आपराधिक साजिश रची थी। सीबीआई के आरोपपत्र में कहा गया है कि बैंक अधिकारियों ने रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की और कई लोगों के नाम पर फर्जी पहचान और पते के दस्तावेज बनाए ताकि यह दिखा सकें कि पैसे का लेन-देन एटीएम काउंटरों के जरिए हुआ था।

एचएमटी घड़ियों के भविष्य की रूपरेखा को लेकर कुमारस्वामी ने बैठक की

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने घड़ियां बनाने वाली कंपनी एचएमटी के प्रदर्शन और भविष्य की रूपरेखा को लेकर शुक्रवार को एक समीक्षा बैठक की। बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी के परिचालन को मजबूत बनाने और भारतीय घड़ी ब्रांड की धरोहर को संरक्षित करने पर जोर दिया गया। कुमारस्वामी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में एचएमटी घड़ियों के के प्रदर्शन और भविष्य की रूपरेखा को लेकर समीक्षा बैठक करने की जानकारी दी। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''बैठक में एचएमटी के परिचालन को मजबूत बनाने और ब्रांड की विरासत को संरक्षित करने पर जोर दिया गया। बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।'' भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले एचएमटी लिमिटेड की दो इकाइयां हैं। औरंगाबाद में खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी इकाई और बेंगलूरु में सहायक व्यवसाय प्रभाग संचालित हो रहा है। औरंगाबाद स्थित इकाई दूध प्रसंस्करण एवं अन्य खाद्य प्रसंस्करण अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न मशीनें बनाती है। वहीं, बेंगलूरु स्थित सहायक व्यवसाय प्रभाग घड़ियों की असेंबली एवं बिक्री का काम कर रहा है ताकि एचएमटी घड़ियों की विरासत जीवित रहे।

शुभारंभ

बेंगलूरु में शुक्रवार को मैजेस्टिक मेट्रो स्टेशन परिसर में नंदिनी स्टोर का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस अवसर पर मंत्री दिनेश गुंडूराव, बेंगलूरु डेयरी के अध्यक्ष डी.के. सुरेश, केएमएफ के एमडी शिवस्वामी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

दशहरा के उद्घाटन के लिए बानू मुश्ताक को आमंत्रित किया : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि इस बार विश्व प्रसिद्ध दशहरा उत्सव का उद्घाटन बुकर पुरस्कार विजेता श्रीमती बानू मुश्ताक द्वारा किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा बानू मुश्ताक को सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने आज विधान सौधा में मीडिया से बात की। बानू मुश्ताक की कृति एडेया हिनाटिके को बुकर पुरस्कार मिला है और यह खुशी की बात है कि कर्नाटक के एक लेखक को यह पुरस्कार मिला है। उन्होंने कहा कि किसान संघ और कन्नड़ आंदोलन के साथ

संघर्ष में रही बानू मुश्ताक एक प्रगतिशील विचारक भी हैं। इस बार शास्त्रों के अनुसार दशहरा ग्यारह दिनों तक मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विजयादशमी 2 अक्टूबर को होगी।उन्होंने बताया कि मैसूर को दशहरा के दौरान एक एयर शो की अनुमति मिल गई है और उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दशहरा देखने आने के लिए एक पत्र लिखा है।

सिद्दरामय्या ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में मतदान में धांधली के विरोध में 16 दिनों की पदयात्रा शुरू की है और कहा है कि वह इस महीने की 29 तारीख को पदयात्रा में भाग लेंगे। 30 दिनों की जेल की सजा पाए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को बर्खास्त करने संबंधी विधेयक के बारे में लोकसभा में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इस विधेयक की सिफारिश सदन की एक समिति को भेज दी गई है।

स्टालिन ने चेन्नई को 'तमिलनाडु की धड़कन' बताया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को चेन्नई की 386वीं वर्षगांठ पर अवसर प्रदान करने और अनगिनत व्यक्तियों को करियर की सफलता की ओर पहला कदम बढ़ाने में मदद करने में इस शहर की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने में चेन्नई शहर के योगदान पर जोर देते हुए कहा कि यह उनके करियर को आगे बढ़ाने में विशेष रूप से सहायक रहा है।

स्टालिन ने कहा, ''यह केवल एक शहर ही नहीं, बल्कि तमिलनाडु की धड़कन है।'' मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि चेन्नई ने कई निवासियों को पहली नौकरी और उनके गृहनगर में पहचान दिलाई है। उन्होंने पीढ़ियों से आजीविका और अवसर के केंद्र के रूप में इस शहर की स्थायी भूमिका पर प्रकाश डाला।

पुलिस आयुक्त के अनुरोध पर मैं चिन्नास्वामी स्टेडियम कार्यक्रम में गया था : डी.के. शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, पुलिस आयुक्त मेरे पास आए और उन्होंने आरसीबी टीम को 10 मिनट में कार्यक्रम समाप्त करने का निर्देश देने का अनुरोध किया, इसलिए मैं कार्यक्रम में गया और उन्हें 10 मिनट में कार्यक्रम समाप्त करने का निर्देश दिया। जब मुख्यमंत्री विधानसभा में आरसीबी के समारोह के दौरान हुई भगदड़ की घटना पर जवाब दे रहे थे, तभी विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सवाल किया कि अगर सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी, तो उपमुख्यमंत्री क्यों गए। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस पर स्पष्टीकरण दिया।

उन्होंने कहा, ''अगर आप मुझे बार-बार याद नहीं करेंगे, तो आप संतुष्ट नहीं होंगे। आप अपनी पार्टी के सदस्यों को खुश नहीं कर पाएंगे। आप ऐसा जवाब नहीं दे पाएंगे जिससे वे खुश हों।''

केएससीए अध्यक्ष और सचिव, जो उस दिन विधान सौधा के सामने आयोजित सरकारी कार्यक्रम में आए थे, हताश थे क्योंकि वे स्टेडियम नहीं जा सकते थे। पुलिस आयुक्त ने मुझसे आने और व्यवस्था करने का अनुरोध किया ताकि चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होने वाला कार्यक्रम केवल 10 मिनट में पूरा हो सके। यह सच है कि मैं कार्यक्रम में गया था, यह सच है कि मैं वहां था, यह सच है कि मैंने आरसीबी के खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सच है कि मैंने उन्हें 10 मिनट में यह कार्यक्रम पूरा करने का निर्देश दिया था। यह सच है कि मैंने कुन्हा की जांच टीम के सामने भी यही बयान दिया था। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं वहां नहीं गया था। मुझे वहां जाने के लिए आपकी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। मैं अपनी जिम्मेदारी पर गया था और पुलिस के अनुरोध पर उन्हें निर्देश दिया था। मैंने कप को चूमा और खिलाड़ियों को बधाई दी।

सिद्दरामय्या ने फिर की मेकेदातु जलाशय की पैरवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कावेरी नदी पर मेकेदातु में एक संतुलन जलाशय की फिर पैरवी करते हुए कहा कि उनका राज्य तमिलनाडु को अपनी बाध्यता से ज्यादा पानी छोड़ता है। बेंगलूरु दक्षिण ज़िले (पूर्व में रामनगर जिले) में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के गृह नगर कनकपुरा में कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर संतुलन जलाशय के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक पड़ोसी राज्य को स्वीकार्य स्तर से ज्यादा पानी छोड़ रहा है।

सिद्दरामय्या ने मानसून सत्र के आखिरी दिन विधानसभा में कहा, ''हमें सामान्य बारिश के दौरान तमिलनाडु को 177.25 टीएमसी पानी छोड़ना होता है, लेकिन हमने तय सीमा से ज्यादा पानी छोड़ा है। यही वजह है कि हम मेकेदातु में एक संतुलन जलाशय पर जोर दे रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि कर्नाटक को इस जलाशय की जरूरत है क्योंकि इस साल जैसी स्थिति में, जब राज्य ने ज्यादा पानी छोड़ा है, तो वह संतुलन जलाशय में अतिरिक्त पानी जमा कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि तमिलनाडु इसका विरोध क्यों कर रहा है। उसे केवल 177.25 टीएमसी पानी का हक है। शीर्ष अदालत ने भी यही कहा है। अगर हम मेकेदातु जलाशय बना पाते हैं, तो हम 67 टीएमसी पानी रख सकते हैं। इससे हमारी पीने के पानी की जरूरत पूरी हो सकती है और सूखे के दौरान भी इसे छोड़ा जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि संतुलन जलाशय बनने से कोई नुकसान नहीं है। उन्होंने तमिलनाडु के अपने समकक्ष से इसका विरोध न करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल अच्छी बारिश के कारण जलाशय लबालब भरे हुए हैं और राज्य कावेरी, तुंगभद्रा एवं कृष्णा नदियों के जलाशयों से ज्यादा पानी छोड़ रहा है।

आने वाले महीने भाजपा के लिए महत्वपूर्ण, पार्टी कार्यकर्ता जीत के लिए कड़ी मेहनत करें : नागेंथिरन

तिरूनेलवली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नयनार नागेंथिरन ने अगले आठ महीनों को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं से अपनी गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने और अगले साल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में यहां बूथ समिति सम्मेलन में भाजपा पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए नागेंथिरन ने कहा कि पार्टी ने 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा, इसलिए, ''इसी भावना के साथ काम करें और सुनिश्चित करें कि हम विजयी हों। याद रखें, अगले आठ महीने हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।'' तिरूनेलवेली के रहने वाले नागेंथिरन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को ''अन्नाची'' (बड़ा भाई) कहकर संबोधित करने के लिए स्थानीय भाषा (तमिल) का सहारा लिया और पूछा, ''मुख्यमंत्री स्टालिन अन्नाची, आपके चुनावी वादों का क्या हुआ?

The Court Of II Civil Judge Class-I, District Court, Narmadapuram
Presiding Officer :
श्रीमती दिव्या मित्तल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000077/2024)
विमल बाई ...वादी
Vs
रमेश कुमार मगोरिया ...प्रतिवादी
Process Id- /2025
पेशी दिनांक :- 22/09/2025

प्रेषिती-(1) दिनेश मगोरिया पिता रमेश कुमार मगोरिया पता-जी-10 वी.आई.पी. सिटी रायपुर छतीसगढ़
(2) नीलेश मगोरिया पिता रमेश कुमार मगोरिया पता-कन्सेप्ट विजय रेसीडेन्सी नन्दी इकेब सेकण्ड क्रास पाँचवा ब्लाक बनाशंकरी थर्ड स्टेज बैंगलूरु कर्नाटक

यह कि प्रार्थी विमल बाई ने आपके विरूद्ध व्यवहार वाद प्रकरण के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय मे स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद मे संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति मे है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति मे हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची मे प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि मे इस न्यायालय मे उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 18.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

मुहर
(श्रीमती दिव्या मित्तल)
द्वितीय सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
नर्मदापुरम, जिला-नर्मदापुरम (म.प्र.)

राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन, खनन, सौर और पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में देश में अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। वह यहां भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा आयोजित 'एआई इनोवेशन समिट 2025' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 'राइजिंग राजस्थान समिट' के माध्यम से 35 लाख करोड़ के करार (एमओयू) किए। साथ ही, राज्य में पेयजल एवं बिजली की प्राथमिकता को समझते हुए कई निर्णय लिए गए। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी फैसले लिए गए हैं। हम वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली भी उपलब्ध कराएंगे। साथ ही, हमने पांच साल के कार्यकाल में युवाओं को चार लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में छह लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि चार्टर्ड अकाउटेंट (सीए) देश की आर्थिक व्यवस्था की आत्मा हैं तथा उनका राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान है। उन्होंने सभी चार्टर्ड अकाउटेंट से आह्वान किया कि वे अपनी योग्यता, विचारों एवं मेहनत से राज्य के विकास में अधिक से अधिक भागीदार बनें तथा देश-प्रदेश की प्रगति में योगदान दें, जिससे विकसित एवं समृद्ध राजस्थान के संकल्प को गति मिले। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि देश में सबसे ज्यादा सीए राजस्थान से हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई केवल एक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रांति के रूप में आगे बढ़ रही है। भारत भी एआई क्षेत्र में तेजी से पहचान बना रहा है। एआई भारत की तकनीकी विशेषज्ञता में और बढ़ोतरी करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान भी डिजिटल इंडिया मिशन और इंडिया एआई मिशन के साथ पूर्ण तालमेल और समन्वय में निरंतर कार्य कर रहा है। हमारी सरकार नई एआई और मशीन लर्निंग नीति पर भी काम कर रही है। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर क्षेत्र में प्रगति कर रही है। विकास में नवीन तकनीकों एवं एआई का उपयोग कर राज्य को 'गुड गवर्नेंस' की ओर ले जाया जा रहा है।

भारी बारिश से चार जिलों के कई इलाके जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता के कारण सवाई माधोपुर, टोंक, कोटा और भीलवाड़ा जिलों में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग ने चार दक्षिणी जिलों में शुक्रवार को भी भारी बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान सवाई माधोपुर तहसील में सबसे अधिक 254 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, सवाई माधोपुर में लगातार बारिश के कारण पल्ली पार इलाके में कई घर जलमग्न हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह भारी बारिश के कारण एक पुलिया ढह जाने से राष्ट्रीय राजमार्ग-552 पर यातायात पूर्ण रूप से बाधित हो गया। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा के बिजोलिया में पिछले 24 घंटे में 170 मिलीमीटर बारिश के कारण पंचनपुरा बांध पर जलस्तर चेतावनी के निशान से ऊपर पहुंच गया और स्थानीय नदी भी उफान पर है। विभाग के अनुसार, पाटन (बूंदी) में 21 सेमी, बिजोलिया (भीलवाड़ा) में 17 सेमी, डीगोद (कोटा) में 15 सेमी, चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर) में 15 सेमी, लाडपुरा (कोटा) में 14 सेमी, मलारना डूंगर (सवाई माधोपुर) में 13 सेमी, भूंगड़ा (बांसवाड़ा) में 12, किशनगंज (बारां) में 11 सेमी बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि कोटा में शुक्रवार सुबह 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए कोटा बैराज के तीन गेट खोल दिए गए। उन्होंने बताया कि बूंदी के कापरेन कस्बे की कई निचली बस्तियां जलमग्न हो गईं और बढ़ते जलस्तर के कारण ग्रामीण इलाकों से संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण अजमेर में एक युवक बांध के पानी में डूब गया। वहीं जयपुर के चाकसू इलाके में मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी उफनती ढूंढ नदी में बह गये। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पति को बचा लिया लेकिन पत्नी पानी की तेज धारा में बह गई। मौसम केंद्र ने उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों में भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

राज्य में 500 नए एफपीओ बनाए जाएंगे : राजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में राज्य के एफपीओ कार्यान्वयन एजेन्सियों नाबार्ड, एनसीडीसी, नैफेड, एनडीडीबी, एफडीआरवीसी, एसएफएसी एवं कृषि, पशुपालन, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। राजन विशान ने बताया कि राज्य में चरणबद्ध रूप से 500 नये कृषक उत्पादक संगठन बनाये जा रहे हैं तथा प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध एवं खुशहान बनाने के लिए नई एफपीओ नीति लाई जा रही है। एफपीओं में एक जिला एक उत्पादन और पंच गौरव को प्राथमिकता से शामिल किया जायेगा। प्रदेश में पहली बार कृषक उत्पादक संगठनों को मजबूती प्रदान करने, किसानों को कंपनी पेटेंट, सर्टिफिकेशन, लाइसेंस और मार्केटिंग लिकेज आदि की सहायता के लिए यह पॉलिसी लाई जा रही है। इसमें कृषक हितों के कई प्रावधान रखे जा रहे हैं। एफपीओ को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्धता से कार्य कर रही है। शासन सचिव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा में ''नॉलेज एन्हांसमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रदेश में एफपीओ के 100 किसानों को विदेश भ्रमण और प्रशिक्षण की स्वीकृति प्रदान की है। वर्तमान सरकार की अभिनव पहल द्वारा राज्य सरकार कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के किसानों को उनकी क्षमता संवर्धन के दृष्टिगत कृषि एवं सम्बद्व क्षैत्रों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है।

शासन सचिव ने बताया कि एफपीओ के किसान नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैड और ब्राजील का भ्रमण करेंगे। एफपीओ के चयनित किसानों को नवंबर 2025 से मार्च 2026 तक चार बैचों में 7 दिवसीय विदेश भ्रमण कराया जाएगा। राज्य में अब तक बनाये गए 913 एफपीओ के किसानों में से ''नॉलेज एन्हांसमेंट प्रोगाम '' के अन्तर्गत एक्पोजर विजिट के लिये 100 एफपीओ के किसानो का चयन राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार कार्यन्वयन एजेन्सियों द्वारा किया जाकर 30 अगस्त तक राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड को सूची भिजवाई जायेगी।

जोराराम कुमावत ने सुने अभाव-अभियोग, अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों के अभाव अभियोग सुने। मंत्री कुमावत शुक्रवार को हरिद्वार से अपने निवास पहुंचे। केबिनेट मंत्री के आने की सूचना के साथ ही दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपने अभाव अभियोग लेकर उनके निवास स्थान पहुंचे। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपने निजी और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को मंत्री के सामने रखा। जिस पर मंत्री कुमावत ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुन संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन पर सूचित कर समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करें ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

जनसुनवाई के दौरान सड़क, पानी, बिजली सहित तबादलों को लेकर लोगों ने अपनी पीड़ा मंत्री को बताई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या का निदान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए करोड़ों रुपए की परियोजनाओं को सरकार ने मंजूर किया है। इस अवसर पर जन सुनवाई के दौरान लोगों की भीड़ लगी रही।

राष्ट्र की आत्मा होती है शिक्षा : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। उन्होंने कहा कि संस्कार, नैतिकता व मूल्य युक्त शिक्षा विद्यार्थियों को प्रदान करने से ही देश के जिम्मेदार नागरिक तैयार होंगे। वह शिक्षा विभाग की ओर से कुंभलगढ़ में आयोजित चिंतन बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग निरंतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को शाला स्वास्थ्य परीक्षण के तहत स्वास्थ्य जांच करवाकर आवश्यकता अनुसार उपचार उपलब्ध करवाया गया।आधिकारिक बयान के अनुसार निदेशक (माध्यमिक एवं प्रारंभिक) सीताराम जाट ने कहा शिक्षा विभाग की ओर से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के सशक्त प्रयास अनवरत किए जा रहे हैं और इसके लिए नए-नए नवाचार किए जा रहे हैं जिसमें सफलता भी प्राप्त हो रही है। मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा ने कहा कि मिड डे मील योजना को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

अपनी जडो से जुडे रहें, यह राजस्थान हमारा है : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सनातन है तो हम है और सनातन नहीं है तो हम भी नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि जीवन्तता में भी जीवन है। विकृतियों का समाधान संस्कारों से होगा। समाज केवल ईमारतों और सडकों से ही नहीं बनता उसके लिए साथ ही मानवीय मूल्यों, सेवा और परम्पराएं भी जीवित रखने होते है। गोयनका ट्रस्ट द्वारा आयोजित सम्मान की परम्परा से उन विभूतियों को पहचान मिल रही है जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने है। यह सम्मान व्यक्तियों के साथ उनके मूल्यों का है।

देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया - देवनानी शुक्रवार को फतहपुर शेखावाटी में जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने वाले गुमनाम नायकों को दिये जाने वाले गोयनका रिकग्निशन सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने व्यापार, समाज सेवा, कला, विज्ञान, खेल कूद, शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गोयनका सामुदाय के शूरवीरों को पुरस्कार प्रदान किये। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में पहुँचने पर देवनानी का विशाल फूल माला पहनाकर और शॉल ओढाकर अभिनन्दन किया गया।

गोयनका परिवार ने बढाया शेखावाटी की धरा का मान - देवनानी ने कहा कि गोयनका परिवार ने शेखावाटी की धरा को आगे बढाया है। उन्होंने कहा कि जन्म स्थली को कभी नहीं भूलना चाहिए। जो जडों से अलग हो जाते है, वे हरे-भरे नहीं रह पाते है। हम कहीं भी रहें यह राजस्थान हमारा है। व्यापार जीवन का अंग है। अपनी जन्म स्थली को सेवा के माध्यम से जब भी समय मिले उसके लिए कार्य करना चाहिए। यही हमारी संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी हैं। देवनानी ने कहा कि राजस्थान की इस धरा ने शौर्य की गाथाएं दी है, सन्तों की वाणी दी है और व्यापारियों को निष्ठा दी है। गोयनका परिवार ने शेखावाटी की इस धरा की समृद्ध परम्परा को आगे बढाया है। जडों से जुडने की परम्परा भावी पीढियों के लिए बनेगी प्रेरणा का स्त्रोत - देवनानी ने गोयनका परिवार सहित पूरी आयोजन समिति का अभिनन्दन करते हुए कहा कि यह समारोह एक संस्कृति का उत्सव है। साथ ही यह गोयनका संगम पीढियों को जोडने वाला सेतु है।

आने वाली पीढियों के लिए यह परम्परा प्रेरणा और ऊर्जा का स्त्रोत रहेगी। सेवा उद्यम और संस्कृति की इस परम्परा से सामाजिक सेवा और मानव कल्याण को नई दिशा मिलेगी। मोदी के नेतृत्व में देश का सम्मान पूरे विश्व में बढा - देवनानी ने कहा कि 21वीं शताब्दी भारत की होगी, यह भविष्यवाणी अब प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रही है।

राष्ट्र का सम्मान पूरे विश्व में बढता ही जा रहा है। भारत को हर क्षेत्र में सफलता मिल रही है।

देवनानी ने सालासर बालाजी के दर्शन किए, प्रदेश की खुशहाली की कामना की- राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सालासर धाम पहुँचकर बालाजी के दर्शन किए। देवनानी ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मंदिर पहुँचने पर प्रबंधकगण ने देवनानी का दुपट्टा और माला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी दिल्ली जाएंगे- राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली जाएंगे। देवनानी दिल्ली विधान सभा में आयोजित अखिल भारतीय विधान सभा अध्यक्षों के सम्मेलन में भाग लेंगे। देवनानी का सोमवार को सांय जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

मुख्यमंत्री ने जैसलमेर व बीकानेर में सोलर पार्क की स्थापना के लिए भूमि आवंटन को दी मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जैसलमेर एवं बीकानेर जिले में अक्षय ऊर्जा आधारित उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटन के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्ताव के अनुसार, जैसलमेर जिले की रामगढ़ तहसील में 5000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क की स्थापना के लिए कुल 6771.86 हैक्टेयर भूमि एवं 2700 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 5113.99 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी गई है। वहीं, फतेहगढ़ तहसील में 12500 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 14026.87 हैक्टेयर भूमि एवं 6200 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 8582.42 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसी तरह, बीकानेर जिले की पूगल तहसील के दीनसर व बराला गांव में 393.04 हैक्टेयर भूमि आवंटित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, बीकानेर तहसील के गांव सवाईसर, बज्जू तहसील के गांव बिकोलाई तथा पूगल तहसील के गांव करणीसर भाटियान में कुल 2320.46 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी गई है।

प्रेमचंद बैरवा ने परिवहन, उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में परिवहन, उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग के अधिकारियों की अलग-अलग बैठकें लेकर इन विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, गत 2 राज्य बजटों में घोषित कार्यों की प्रगति व अन्य बिन्दुओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परिवहन विभाग की बैठक में डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार परिवहन सेवाओं को अधिक सुरक्षित, सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा उपायों को और सख्ती से लागू करें तथा परिवहन नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटा बेस, इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट तथा क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम के इंटीग्रेशन के माध्यम से सड़क हादसों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

डॉ. बैरवा ने ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक्स के निर्माण कार्यों में तेजी लाकर निश्चित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने बीकानेर स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग रिसर्च सेंटर की लंबित डीपीआर शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही झुंझुनू, बाड़मेर एवं पाली में ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर्स की स्थापना के लिए प्राप्त आवेदनों का परीक्षण शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्यों की पालना में लापरवाही बरतने वाले राजकीय कार्मिक आमजन के कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं, इसलिए जिन अधिकारियों के विरुद्ध जाँच प्रकरण लंबित हैं, उनका समय पर निस्तारण किया जाए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि एनएचएआई की एम्बुलेंस सेवाओं का राज्य की 108 आपातकालीन सेवाओं से एकीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। आपातकालीन सेवाओं में सुधार के लिए नई 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस खरीदी गई हैं। प्रदेश के सभी राजकीय स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अस्पतालों की जीआईएस मैपिंग का कार्य भी पूरा हो चुका है। इसके साथ ही राजस्थान वाहन स्क्रेपिंग नीति-2025 का प्रारूप तैयार कर प्रशासनिक स्वीकृति हेतु भेजा गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रदेश के 34 जिलों में ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग के कार्यों, योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रदेश के समस्त आयुष औषधालयों एवं चिकित्सालयों में गुणवत्तायुक्त दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चत करने के निर्देश दिए।

बिरला का कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की मंजूरी के लिए जताया गया आभार

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का शुक्रवार को यहां उनके संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी के लोगों ने उनसे मिलकर कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को केन्द्र सरकार की मंजूरी एवं इसके लिए 1507 करोड़ रुपए स्वीकृत करने पर आभार जताया। बिरला शुक्रवार और शनिवार को कोटा और बूंदी जिले के प्रवास पर हैं और इसके पहले दिन कोटा में शक्तिनगर स्थित उनके कार्यालय पर कोटा-बूंदी से बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने पहुंचे और केन्द्रीय कैबिनेट की कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए 1507 करोड़ रुपए की राशि को स्वीकृति देने पर बिरला का आभार व्यक्त किया गया और खुशी जताई गई। इसके लिए सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गयाजी/बेगूसराय (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के गयाजी और बेगूसराय जिलों से 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मोदी ने लगभग 6,880 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 600 मेगावाट के बक्सर ताप ऊर्जा संयंत्र और 1,870 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से गंगा नदी पर निर्मित 1.86 किलोमीटर लंबे औंटा-सिमरिया पुल का उद्घाटन किया, जो पटना जिले के मोकामा को बेगूसराय से जोड़ता है। औंटा-सिमरिया पुल का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री पुल पर खड़े हुए और अपना गमछा लहराकर लोगों का अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री ने दो ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई, जिनमें गयाजी और दिल्ली के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस और वैशाली तथा कोडरमा के बीच बौद्ध सर्किट ट्रेन शामिल हैं। यह ट्रेन क्षेत्र के प्रमुख बौद्ध स्थलों पर पर्यटन और तीर्थयात्रा को बढ़ावा देगी। अधिकारियों ने कहा कि बक्सर ताप ऊर्जा संयंत्र से बिजली उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार होगा और क्षेत्र की बढ़ती बिजली की मांग पूरी होगी।

इस मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और कई केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, सांसद और विधायक भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया। अधिकारियों के अनुसार, इस केंद्र में उन्नत ऑन्कोलॉजी ओपीडी, आईपीडी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक प्रयोगशाला, ब्लड बैंक और 24 बिस्तरों वाली गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस केंद्र से बिहार और पड़ोसी राज्यों के मरीजों को उन्नत और किफायती कैंसर देखभाल मिलेगी, जिससे इलाज के लिए दूर-दराज के महानगरों में जाने की आवश्यकता कम हो जाएगी।

बंगाल : प्रधानमंत्री ने छह लेन वाले एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया,तीन मेट्रो मार्ग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में 1,200 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 7.2 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखी और कोलकाता में तीन नए मेट्रो मार्ग का उद्घाटन किया।

अधिकारियों ने बताया कि इससे हावड़ा, उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों और कोलकाता के बीच संपर्क बढ़ेगा, जिससे यात्रा का समय बचेगा और क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले, दिन में प्रधानमंत्री ने ग्रीन, येलो और ऑरेंज लाइनों पर 13.61 किलोमीटर लंबी तीन नई मेट्रो सेवाओं को हरी झंडी दिखाई, जिसे अधिकारियों ने 1984 में शुरू हुई शहर की मेट्रो यात्रा में एक 'निर्णायक क्षण' करार दिया। मोदी ने कहा, यह गर्व की बात है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 250 किलोमीटर लंबा मेट्रो मार्ग था। लेकिन आज यह आंकड़ा 1,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है।

ईडी ने धन शोधन मामले में झारखंड के पूर्व मंत्री के बेटे, छह अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के बेटे अंकित राज और छह अन्य के खिलाफ कथित अवैध रेत खनन से जुड़े धन शोधन के एक मामले में आरोपपत्र दाखिल किया है। अभियोजन पक्ष की शिकायत बृहस्पतिवार को रांची में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) संबंधी एक विशेष अदालत में दाखिल की गई।

ईडी ने एक बयान में कहा कि आरोप पत्र में नामजद अन्य आरोपियों में मनोज कुमार अग्रवाल, पंचम कुमार, संजीव कुमार, मनोज प्रसाद दांगी, अनिल कुमार और बिंदेश्वर कुमार दांगी हैं। कांग्रेस नेता साव झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री हैं। धन शोधन का यह मामला झारखंड पुलिस द्वारा साव, उनके परिवार और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज की गई 16 प्राथमिकियों पर आधारित है। ईडी ने कहा कि इन अपराधों में जबरन वसूली, अवैध रेत खनन, सरकारी काम में बाधा डालना और 'झारखंड टाइगर ग्रुप' नामक गैरकानूनी संगठन का संचालन जैसी कई आपराधिक गतिविधियां शामिल हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि अंकित राज एक व्यवस्थित और बहुस्तरीय अवैध रेत खनन सिंडिकेट के मास्टरमाइंड थे, जिन्होंने अपराध से काफी कमाई की। एजेंसी के अनुसार जांच में पाया गया कि अंकित राज ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर, 2019 में अपने खनन लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के लंबे समय बाद भी, दामोदर एवं इसकी सहायक नदियों से अवैध रूप से रेत निकालना और बेचना जारी रखा। ईडी ने कहा, सिंडिकेट ने अवैध मुनाफे को सफेद करने के लिए एक परिष्कृत कार्यप्रणाली अपनाई। इसमें अवैध रूप से खनन की गई रेत को अपने सहयोगियों के लाइसेंस प्राप्त यार्ड में वैध स्टॉक के साथ मिलाकर छिपाना, चोरी के माध्यम से अपराध की आय अर्जित करना और नकदी जमा और वित्तीय लेनदेन के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से अवैध धन को सफेद करना शामिल था। ईडी की जांच के अनुसार, कथित रेत खनन सिंडिकेट ने अपराध से 3.12 करोड़ रुपए की आय अर्जित की। एजेंसी ने अपनी जांच के तहत अंकित राज की 28 अचल संपत्तियों और दो सावधि जमा राशि सहित 3.02 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी ने पिछले साल मार्च और जुलाई में इस मामले के सिलसिले में तलाशी ली थी।

जनता तय करेगी कि कांग्रेस सत्ता में लौटेगी या नहीं : ओकराम इबोबी सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर कांग्रेस विधायक दल के नेता ओकराम इबोबी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश के किसी भी हिस्से में कांग्रेस की सत्ता में वापसी होगी या नहीं, इसका फैसला जनता करेगी, न कि भाजपा के चंद नेता और कार्यकर्ता। सिंह ने यह बयान इंफाल में स्थित कांग्रेस भवन में पूर्व मुख्यमंत्री रिशांग कीशिंग की नौवीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिया। भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत अभियान पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, सिंह ने संवाददाताओं से कहा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले एक लोकतांत्रिक देश में भाजपा समेत कोई भी, जो चाहे कह सकता है। हालांकि, भाजपा यह तय नहीं कर सकती कि कांग्रेस सत्ता में वापसी करेगी या नहीं। मणिपुर या देश के किसी अन्य हिस्से में हमारी सत्ता में वापसी होगी या नहीं, इसका फैसला जनता को करना है, न कि चंद भाजपा नेताओं को। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कहा, पिछले संसदीय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने राज्य की दोनों लोकसभा सीट जीती थीं। यह जीत जनता ने दिलाई थी, भाजपा ने नहीं। भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए।

भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग कर वोटों की डकैती की है:अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया है कि भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग कर वोटों की डकैती की है। पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक यहां सपा के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यादव ने कहा,''भाजपा गरीबों का वोट कटवा रही है।

समाजवादी पार्टी ने 2022 में गलत तरीके से काटे गए वोटों को लेकर आवाज उठायी तो निर्वाचन आयोग ने नोटिस भेज दिया था। उन्होंने कहा कि सपा ने मतदाता सूची से हटाये गए 18 हजार मतदाताओं की सूची शपथ पत्र के साथ निर्वाचन आयोग को भेजी थी लेकिन उसने कोई कार्रवाई नहीं की। जब वोट चोरी और वोट काटने का मामला उठा तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने कह दिया कि कोई हलफनामा नहीं मिला जबकि सपा के पास हर हलफनामे की रसीद है। यादव ने कहा, भाजपा की सच्चाई जनता के सामने आ चुकी है। जनता भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए कटिबद्ध है। गरीब जनता भाजपा को हटायेगी। उप्र में भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। खाद का बड़ा घोटाला है। खाद के लिए महिलाओं को भी लाइन लगानी पड़ रही है। भाजपा सरकार खाद नहीं दे पा रही है। वह लाठियां बरसा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जल जीवन मिशन में बजट का जमकर बंदरबांट हुआ जिसके फलस्वरूप पानी की टंकियां लगातार गिर रही हैं।

बंगाल दौरे पर आए प्रधानमंत्री मोदी से तृणमूल ने पूछा,
इतनी हड़बड़ी में क्यों लाये गए 'विधेयक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाब देना चाहिए कि प्रधानमंत्री, राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक लगातार हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने के प्रावधान वाले विधेयक लाने में इतनी हड़बड़ी क्यों दिखाई। तृणमूल ने पश्चिम बंगाल के बकाये को लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार की आलोचना की और बांग्लाभाषी प्रवासियों व भाषा को लेकर भेदभाव करने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को प. बंगाल के दौरे पर पहुंचे जहां उन्होंने तीन महत्वपूर्ण मेट्रो लाइनों सहित 5,200 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री 'चुनावी मौसम' में एक 'प्रवासी पक्षी' की तरह राज्य में आ रहे हैं। मोइत्रा ने कहा, अब जबकि चुनावी मौसम आ गया है आप (नरेन्द्र मोदी) बिहार जा रहे हैं और अब प्रवासी पक्षी की तरह बंगाल भी आ गए हैं लेकिन फिर भी हम आपका स्वागत करते हैं और हमारे पास आपके लिए पांच सवाल हैं, मोदीजी। तृणमूल नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को कुछ सवालों के जवाब देने चाहिए, पहला सवाल यह है कि गंभीर आरोपों में 30 दिनों से ज्यादा समय तक हिरासत में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए विधेयक लाने की क्या जरूरत थी? मोइत्रा ने कहा, आप (प्रधानमंत्री मोदी) संसद (मानसून सत्र) के अंतिम पूर्व दिन इतनी हड़बड़ी में एक संविधान संशोधन विधेयक लेकर आए। आपके पास इस विधेयक को लाने का नैतिक अधिकार क्या है, जब यह मूल रूप से विपक्ष शासित राज्यों की सरकारों को बिना किसी दोषसिद्धि और बिना किसी मुकदमे के सत्ता से बेदखल करने का माध्यम बन सकता है?

सत्ता की भूख मिटाने के लिए बंगाल में घुसपैठ को बढ़ावा दे रही तृणमूल : मोदी

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर शुक्रवार को कड़ा प्रहार करते हुए उस पर अपनी सत्ता की भूख मिटाने के लिए घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उत्तर 24 परगना के दमदम इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है, जो पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह देश अब घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम उन्हें भारत में नहीं रहने देंगे, इसीलिए हमारी सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ इतना बड़ा अभियान चलाया है। मुझे आश्चर्य है कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस समेत कुछ राजनीतिक दल तुष्टिकरण की राजनीति के आगे झुक गए हैं। सत्ता की भूख में ये दल घुसपैठ को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि घुसपैठिए बंगाल और देश छोड़कर चले जाएं, तृणमूल कांग्रेस सरकार को जाना होगा। केवल आपका वोट ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि इन घुसपैठियों को देश से बाहर खदेड़ा जाए। सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल को विशेष रूप से असुरक्षित बताते हुए, मोदी ने कहा कि घुसपैठिए अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहे हैं और हमारी माताओं और बहनों पर अत्याचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर बंगाल में विकास में बाधा डालने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के पास राज्य के विकास के लिए एक ठोस खाका है।

मिजोरम, असम विवादित सीमा क्षेत्रों में यथास्थिति बनाये रखने पर सहमत : लालदुहोमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने शुक्रवार को कहा कि अंतर-राज्यीय सीमा पर हालिया तनाव उत्पन्न होने के बाद उनका राज्य और असम विवादित सीमा क्षेत्रों में यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने मिजोरम पुलिस सेवा संघ (एमपीएसए) के एक सम्मेलन में कहा कि अंतर-राज्यीय सीमा पर हाल की घटना के बाद उन्होंने असम के अपने समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा से बात की है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम अंतर-राज्यीय सीमा पर विवादित क्षेत्रों में यथास्थिति का सम्मान करने और उसे बनाए रखने पर सहमत हुए हैं, जिस पर हम पहले भी चर्चा कर चुके हैं। असम के पुलिस कर्मियों और वन विभाग के अधिकारियों ने पश्चिमी मिजोरम के मामित जिले के सैखौथलिर गांव में 15 अगस्त को कथित तौर पर प्रवेश किया तथा स्थानीय लोगों द्वारा उगाये जा रहे रबर के करीब 290 पौधों को नुकसान पहुंचाया। इस घटना से अंतर-राज्यीय सीमा पर तनाव पैदा हो गया है। मिजोरम के अधिकारियों ने बताया कि यह पौधारोपण मुख्यमंत्री के रबर मिशन के तहत किया गया था और इसका प्रबंधन राज्य के भूमि संसाधन, मृदा एवं जल संरक्षण विभाग द्वारा किया जा रहा है। घटना के बाद, मिजोरम के मामित और असम के हैलाकांडी जिलों के उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों ने एक महत्वपूर्ण बैठक की।

महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए हम नीतियों को मजबूत कर रहे हैं: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सशस्त्र बलों और शांति सेना में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए ''हम नीतियों को मजबूत कर रहे हैं' ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें नेतृत्व और सेवा करने के समान अवसर मिलें।

सिंह ने यह बात भारत के साथ-साथ 15 देशों की महिला अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान कही, जो यहां आयोजित लगभग दो सप्ताह लंबे संयुक्त राष्ट्र महिला सैन्य अधिकारी पाठ्यक्रम (यूएनडब्ल्यूएमओसी-2025) में भाग ले रही हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र द्वारा 18-29 अगस्त, 2025 तक आयोजित इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य बहुआयामी संयुक्त राष्ट्र मिशनों में प्रभावी भागीदारी के लिए महिला सैन्य अधिकारियों की पेशेवर क्षमता का निर्माण करना है। रक्षा मंत्री ने 'साउथ ब्लॉक' में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में, भारत महिलाओं की भागीदारी और इन अभियानों में उनके शामिल होने का प्रबल समर्थक रहा है'' और यूएनडब्ल्यूएमओसी जैसी योजनाओं के माध्यम से, यह महिला अधिकारियों को प्रतिकूल परिस्थितियों में शांति स्थापना हेतु अनुकूल वातावरण बनाने के लिए तैयार करता है।

सिंह ने कहा, हम अपने सशस्त्र बलों और शांति सेना टुकड़ियों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियों को मजबूत कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो कि उन्हें नेतृत्व और सेवा के समान अवसर मिलें।

बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, हम लैंगिक समानता और समावेशी नेतृत्व को बढ़ावा देने और एक ऐसा विश्व बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र और सैन्य योगदान देने वाले देशों के साथ काम करना जारी रखेंगे, जहां शांति न केवल कायम रहे, बल्कि विविधता और समानता के माध्यम से फलती-फूलती रहे।

मिजोरम में 75 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, आठ लोग गिरफ्तार

आइजोल/भाषा। मिजोरम में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और राज्य आबकारी एवं नारकोटिक्स विभाग के एक विशेष संयुक्त अभियान में 75 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की मेथामफेटामीन टैबलेट और हेरोइन जब्त की गई तथा आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। बीएसफ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

बीएसएफ ने एक बयान में बताया कि बल द्वारा जुटाई गई खुफिया सूचना के आधार पर विशेष अभियान की योजना बनाई गई और बृहस्पतिवार को यह अभियान चलाया गया।

बयान के मुताबिक, संयुक्त टीम ने आइजोल से लगभग 60 किलोमीटर दूर केइफांग और सेलिंग गांवों के बीच आइजोल-चंफाई राजमार्ग (एनएच-6) पर चार संदिग्ध वाहनों को रोका।

बयान में कहा गया है कि तलाशी के दौरान तीन प्लास्टिक बैग जब्त किए गए, जिनमें 50 पैकेट में लगभग 50 किलोग्राम (पांच लाख टैबलेट) मेथामफेटामीन थी। इसके अलावा, साबुन के तीन डिब्बे मिले, जिनमें 36 ग्राम हेरोइन थी।

त्रिपुरा में चलती गाड़ी में लड़की से सामूहिक बलात्कार, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के गोमती जिले में उदयपुर रेलवे स्टेशन के पास एक लड़की के साथ उसके दो साथियों ने चलती गाड़ी में सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने शुक्रवार को यह कहा।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों की पहचान महारानी निवासी मिथुन देबनाथ (24) और बोवर देबबर्मा (24) के रूप में हुई है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। आरके पुर महिला थाने की प्रभारी निभा सिन्हा ने बताया, लड़की बृहस्पतिवार शाम अपने दो पड़ोसियों के साथ त्रिपुरेश्वरी मंदिर गई थी। मंदिर में दर्शन के बाद दो लड़के उसे कार में उदयपुर रेलवे स्टेशन ले गए। रास्ते में मिथुन और बोवर ने चलती गाड़ी में उसके साथ बलात्कार किया। सिन्हा ने बताया कि तीनों को पहले उदयपुर उपमंडल के काकराबान चेकगेट पर उस समय हिरासत में लिया गया जब वे रात करीब 10 बजे लौट रहे थे। उन्होंने बताया, पूछने पर लड़की ने बताया कि उसके दो साथियों ने उसके साथ बलात्कार किया है। इसके बाद हम उन्हें पूछताछ के लिए थाने ले आए।

शुक्रवार को पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद दोनों युवकों को घटना में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, एक फॉरेंसिक टीम ने उस वाहन की जांच की है जिसमें लड़की के साथ बलात्कार हुआ था।

लोकतंत्र निर्वाचन आयोग के 'क्रूर हमले' से बच गया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत करते हुए शुक्रवार को कहा कि लोकतंत्र निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के क्रूर हमले से बच गया है। पार्टी ने दावा किया कि आयोग पूरी तरह से बेनकाब और बदनाम हो गया है।

कांग्रेस ने कहा कि उसे उम्मीद है कि शीर्ष अदालत का यह कठोर आदेश अंततः निर्वाचन आयोग के अहंकार को तोड़ देगा और वोट चुराने एवं जवाबदेही से बचने के उसके नापाक प्रयासों पर लगाम लगाएगा।

पार्टी की यह प्रतिक्रिया उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्वाचन आयोग को यह निर्देश दिए जाने के बाद आई है कि वह बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में हटाए गए मतदाताओं को भौतिक रूप से दावा पेश करने के अलावा ऑनलाइन माध्यम से दावे प्रस्तुत करने की अनुमति दे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आधार कार्ड नंबर और एसआईआर में स्वीकार्य 11 दस्तावेजों में से किसी एक के साथ दावा प्रपत्र जमा करने की अनुमति दी। पीठ ने मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाने के संबंध में आपत्तियां दर्ज कराने में राजनीतिक दलों के आगे नहीं आने पर आश्चर्य जताया और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को उन्हें अदालती कार्यवाही में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत करती है। उन्होंने दावा किया, लोकतंत्र निर्वाचन आयोग के क्रूर हमले से बच गया है। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 14 अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने हस्तक्षेप करते हुए निर्वाचन आयोग के उस निर्णय को रद्द कर दिया था, जिसमें उसने हटाए गए मतदाताओं की सूची साझा करने से इनकार किया था। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया था कि हटाए गए मतदाताओं की सूची कारणों सहित प्रकाशित की जाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि 14 अगस्त को ही न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया था कि जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, उनके लिए आधार कार्ड को पहचान प्रमाण पत्र के रूप में स्वीकार किया जाए। उन्होंने कहा कि आज शीर्ष अदालत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि आधार एक मान्य पहचान पत्र है, जिसे निर्वाचन आयोग को अनिवार्य रूप से स्वीकार करना होगा।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत : वीरेंद्र सहवाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के निर्भिक नेतृत्व में मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम आगामी एशिया कप जीत सकती है।

यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा।

टी20 प्रारूप के इस टूर्नामेंट का 2016 में पहला संस्करण जीतने वाली भारतीय टीम को ग्रुप ए में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, ओमान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं।

सहवाग ने आगामी टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के 'रग रग में भारत' अभियान के मौके पर कहा, इस भारतीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही मिश्रण है। और सूर्यकुमार के निर्भिक नेतृत्व में टीम एक बार फिर एशिया में अपना दबदबा बना सकती है। उनकी आक्रामक मानसिकता टी20 प्रारूप के लिए बिल्कुल उपयुक्त है और अगर टीम इसी इरादे से खेलती है तो इसमें कोई शक नहीं है कि भारत ट्रॉफी जीत सकता है। उन्होंने कहा, यह (रग रग में भारत) अभियान भारतीय क्रिकेट की धड़कन को खूबसूरती से जीवंत करता है। आप देश के किसी भी हिस्से से हों, जब भारत खेलता है तो भावनाएं हमें एकजुट करती हैं। मैं इसमें भी यही जुनून महसूस कर सकता हूं और यही जुड़ाव क्रिकेट को इतना ताकतवर बनाता है। सूर्यकुमार एशिया कप में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल उनके उप कप्तान होंगे। एशिया कप के सभी मैच दो स्थान दुबई और अबुधाबी में आयोजित किए जाएंगे।

सुविचार

दुनिया में तुम्हें कोई उस वक्त तक नहीं हरा सकता, जब तक तुम हिम्मत ना हार जाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्वानः पहरेदार न बने परेशानी

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा श्वानों से जुड़े एक मामले में संशोधित निर्देश देकर पशु कल्याण का ध्यान रखा है। समाज में मनुष्य के साथ श्वानों को भी जीवन जीने का अधिकार है। ये प्राचीन काल से ही मनुष्य के मित्र रहे हैं। हमारे ग्रंथों में ऐसे कई प्रसंग मिलते हैं, जिनमें श्वानों का महत्त्व बताया गया है। अच्छे विद्यार्थी की कई विशेषताओं में से एक विशेषता 'श्वान निद्रा' है। श्वानों की सूंघने की क्षमता गजब की होती है। ये हमारे देश की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये गांव-मोहल्ले के पहरेदार कहलाते हैं, क्योंकि जैसे ही कोई अजनबी शख्स आता है, (श्वान) सबको सूचित कर देते हैं। आज भी गांवों के घर-घर में श्वान के लिए रोटी बनाने की परंपरा है। वह सुबह-शाम आता है, रोटी खाता है और चुपचाप चला जाता है। न किसी से शिकायत, न कोई फरमाइश। जिन गांवों में श्वान स्वतंत्र घूमते हैं, उनके निवासी रात को चैन की नींद सोते हैं, क्योंकि किसी भी चोर की हिम्मत नहीं होती कि वहां कदम रख सके। श्वान को किसान का साथी यूं ही नहीं कहा जाता। वह हर मौसम में उसके साथ रहकर खेत की रखवाली करता है। ऐसे में श्वानों को हमारे समाज से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। इसके कई गंभीर नतीजे हो सकते हैं। हां, उनके भोजन, स्वास्थ्य, आश्रय आदि की ओर ध्यान देना चाहिए। शहरों के जिन इलाकों में आवारा श्वानों की संख्या काफी बढ़ गई है, वहां वैज्ञानिक तरीके से इनका बंध्याकरण और टीकाकरण होना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्देशों में इस बिंदु का उल्लेख किया है।

कुछ श्वानों का व्यवहार काफी आक्रामक होता है। इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं, लेकिन यह प्रवृत्ति बहुत लोगों को नुकसान पहुंचा चुकी है। यहां तक कि कुछ लोग तो जान गंवा चुके हैं। प्राय: लोग शिकायत करते हैं कि जब वे सुबह सैर करने के लिए निकलते हैं तो उन्हें आवारा श्वान घेर लेते हैं। अक्टूबर 2023 में अहमदाबाद में एक मशहूर कंपनी के मालिक जब सैर करने निकले तो आवारा श्वानों के एक झुंड ने उन पर हमला बोल दिया था। वे जान बचाने के लिए भागे और फिसलकर गिर गए थे। इससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और उनकी मौत हो गई। लोग अपने दफ्तर जाते हैं तो आवारा श्वान उनके वाहनों का पीछा करते हैं। उस समय दोपहिया वाहन चालकों को ज्यादा खतरा होता है। श्वान उनके पीछे सरपट दौड़ लगाते हैं और पांव को काट खाने की कोशिश करते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका होती है। यह किसी एक शहर की समस्या नहीं है। हर शहर में ऐसे दृश्य देखने को मिल जाएंगे। इससे आवारा श्वानों की आबादी नियंत्रित करने की सख्त जरूरत महसूस होती है। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्देश लोगों और श्वानों, दोनों की सुरक्षा के लिए उचित है कि 'ऐसे विशेष भोजन क्षेत्र बनाए जाएं, जहां लोग आवारा श्वानों को खाना खिला सकें।' कई लोग सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर इन्हें खाना खिलाते हैं। उनके मन में दया और करुणा की भावना हो सकती है, लेकिन इससे कुछ समस्याएं भी पैदा होती हैं। उन इलाकों से जब अन्य लोग आते-जाते हैं और श्वानों को खाना नहीं खिलाते तो वे उनका पीछा करने लगते हैं। कुछ श्वान तो हमला कर देते हैं। विशेष भोजन क्षेत्र बनाने से इस समस्या का समाधान हो सकता है। श्वानों से लगाव रखना, उनके कल्याण का ध्यान रखना अच्छी बात है। बदलते परिवेश के साथ ऐसे तौर-तरीकों को अपनाना भी जरूरी है, जिनसे मनुष्य और श्वान, दोनों अधिक सुरक्षित महसूस करें।

ट्वीटर टॉक

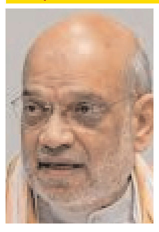

निश्चित रूप से आतंकवाद समाप्त हो सकता है... इतना तो संभव है कि आतंकवाद के खिलाफ मजबूत इकोसिस्टम खड़ा कर इसे शून्य तक लाया जा सकता है। अगर कहीं एक-दो घटनाएं भी होंगी तो वह सीरीज ऑफ इंसीडेंट्स में नहीं बदलेंगी और उन एक-दो घटनाओं को भी हम समाप्त करेंगे।

-अमित शाह

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को अपनी प्रतिभा के कारण उन्हें विदेशी कॉलेजों में एडमिशन मिल गए परन्तु आर्थिक स्थिति समृद्ध न होने के कारण वो जा नहीं सकते थे। तब बड़ौदा के राजपरिवार ने उन्हें स्कॉलरशिप दी जिससे वो अमेरिका पढ़ाई करने गए।

-अशोक गहलोत

इस वर्ष हुई अच्छी वर्षा के दृष्टिगत भरपूर फसल उत्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश के किसानों के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

नेता जी की अटूट राष्ट्रभक्ति

एक बार बंगाल के कुछ युवकों ने कलकत्ता में एक नाटक का आयोजन किया। नाटक के दर्शकों में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को खास तौर पर बुलाया गया था। अभिनय के मध्य एक दृश्य आता है- एक फिरंगी अफसर एक भारतीय सिपाही का पीछा करता है। थोड़ी देर तक पीछा करके वह सिपाही को पकड़ लेता है। उसे गाली देना और पीटना शुरू कर देता है। यह दृश्य देखकर दर्शकों के बीच बैठे हुए नेताजी को असीम राष्ट्रभक्ति के चलते भावावेश में हकीकत का अहसास हुआ। वे ऐसा कटु अपमान सहन न कर सके। वे क्रोध में तमतमा कर रंगमंच पर चढ़ गए और अंग्रेज अधिकारी को पकड़कर पीटने लगे। एक क्षण को, अंग्रेज अधिकारी का अभिनय करने वाला अभिनेता स्तब्ध रह गया, पर दूसरे ही क्षण वह संभल गया। उसकी मुखमुद्रा खिल उठी। वह खुशी-खुशी मार खाता रहा। जब नेताजी ने उसे मारना बंद किया तो अभिनेता ने नेताजी के हाथ से जूता अपने हाथ में ले लिया और उसे मस्तक से लगाकर कह उठा कि यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा पुरस्कार है। इस वक्तव्य को सुनकर नेताजी सन्न रह गये। वे तत्क्षण समझ गये कि यह तो रंगमंच पर अभिनय चल रहा था, जिसे मैंने सत्य समझ लिया।

सामयिक

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा वर्षों से विवाद और चिंता का विषय रहा है। एक ओर ये कुत्ते सड़कों पर आम लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं, तो दूसरी ओर पशु-प्रेमी इन्हें जीवन का समान अधिकार देने की बात करते हैं। दिल्ली-एनसीआर से लेकर देश के अन्य हिस्सों तक लगातार ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिनमें आवारा कुत्तों के हमले से बच्चों और बुज़ुर्गों को चोटें आई हैं, यहां तक कि कई मौतें भी हुई हैं। ऐसे माहौल में सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला न सिर्फ़ एक कानूनी आदेश है बल्कि यह इंसानों और जानवरों के बीच संतुलन की तलाश का प्रयास भी है। 11 अगस्त 2025 को कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में रखने का निर्देश दिया था। इस फैसले के खिलाफ पशु-प्रेमियों और एनजीओ ने विरोध जताया, कैंडल मार्च निकाला और कहा कि कुत्तों को प्राकृतिक वातावरण से अलग करना उनके जीवन-अधिकारों का हनन है। कई याचिकाएं भी दायर की गईं। इन सब पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब संशोधित आदेश जारी किया है, जिसमें कई अहम बातें सामने आई हैं: बीमार और आक्रामक कुत्ते शेल्टर होम में- कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे कुत्ते जो बीमार हैं या जिनमें आक्रामक प्रवृत्ति है, उन्हें समाज में नहीं छोड़ा जाएगा। इन्हें शेल्टर होम में ही रखा जाएगा ताकि वे इंसानों के लिए खतरा न बनें। स्वस्थ कुत्ते वैक्सिनेट कर वापस छोड़े जाएंगे- पहले आदेश के विपरीत अब कोर्ट ने कहा है कि सामान्य और स्वस्थ कुत्तों को पकड़कर वैक्सिनेट किया जाए और फिर उन्हें उसी जगह छोड़ा जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था। इसका मतलब है कि सड़कों से कुत्ते पूरी तरह गायब नहीं होंगे लेकिन सुरक्षित होंगे। खाना खिलाने पर नियम-कोर्ट ने यह भी कहा कि अब आवारा कुत्तों को हर जगह खाना नहीं खिलाया जा सकता। हर इलाके में एक निर्धारित स्थान तय किया जाएगा, वहीं भोजन कराया जाएगा। अगर कोई सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खिलाता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

जुर्माने का प्रावधान - कुत्तों को पकड़ने वाली टीम के काम में बाधा डालने वाले व्यक्ति पर 25,000 का जुर्माना। यदि कोई एनजीओ नियम तोड़ता है तो उस पर 2,00,000 का जुर्माना। साथ ही शिकायत दर्ज करने के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। गोद लेने का विकल्प- कोर्ट ने पशु-प्रेमियों को प्रोत्साहित किया है कि वे चाहें तो कुत्तों को गोद ले सकते हैं। इसके लिए एमसीडी के समक्ष आवेदन करना होगा और एक बार गोद लेने के बाद कुत्तों को दोबारा सड़कों पर छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। राष्ट्रीय नीति का निर्माण-सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में अब एक नेशनल पॉलिसी बनाई जाएगी, जो पूरे देश में लागू होगी। इस नीति का उद्देश्य होगा- इंसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और साथ ही कुत्तों के जीवन-अधिकारों की रक्षा करना। यह फैसला समाज के अलग-अलग वर्गों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करेगा।

सुरक्षा की दृष्टि से यह आदेश उन परिवारों के लिए राहत है जिनके बच्चे या बुज़ुर्ग सड़कों पर कुत्तों के डर से सुरक्षित महसूस नहीं करते। अब आक्रामक और बीमार कुत्तों को शेल्टर में रखने का प्रावधान सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। पशु-प्रेमियों की भावनाओं का सम्मान भी किया गया है। उन्हें कुत्तों को गोद लेने का अवसर दिया गया है। साथ ही स्वस्थ कुत्तों को पूरी तरह से बंद करने के बजाय उन्हें वैक्सिनेट कर उनके प्राकृतिक माहौल में वापस छोड़ा जाएगा। नगर निगम और प्रशासन की जिम्मेदारी अब और बढ़ जाएगी। हर इलाके में तय जगह बनाना, वैक्सिनेशन सुनिश्चित करना और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करना आसान काम नहीं है। इसके लिए प्रशासनिक क्षमता और पारदर्शिता दोनों की आवश्यकता होगी। कानूनी और सामाजिक अनुशासन का पहलू भी इस फैसले से जुड़ा है।

पहले दिए गए आदेश के बाद इंडिया गेट पर पशु-प्रेमियों ने कैंडल मार्च निकालकर विरोध किया था। उनका तर्क था कि कुत्तों को शेल्टर होम में बंद करना अमानवीय है। नए आदेश ने उनकी मांग का कुछ हद तक सम्मान किया है, क्योंकि अब स्वस्थ कुत्तों को वापस छोड़ा जाएगा। लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर खाना खिलाने पर रोक उन्हें खल सकती है। दूसरी ओर, जिन परिवारों के लिए कुत्तों का खतरा बड़ा मुद्दा रहा है, वे इस फैसले से संतुष्ट दिख सकते हैं। यह आदेश दोनों पक्षों को कुछ न कुछ राहत देता है, हालांकि सभी को पूरी तरह संतुष्ट करना संभव नहीं है।

भविष्य की चुनौतियाँ : शेल्टर होम की क्षमता - अगर बीमार और आक्रामक कुत्तों की संख्या बहुत बढ़ती है तो क्या शेल्टर होम उन्हें संभाल पाएंगे? इसके लिए ढांचे और संसाधनों की आवश्यकता होगी। वैक्सिनेशन की पारदर्शिता - यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन कुत्तों को छोड़ा जा रहा है, वे वास्तव में वैक्सिनेटेड हों। वरना खतरा बरकरार रहेगा। स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन - हर इलाके में तय जगह पर भोजन कराने और नियमों का पालन कराने के लिए स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदारी और संसाधन दोनों चाहिए होंगे। जनजागरूकता - आम लोगों को यह समझाना होगा कि कुत्तों के साथ कैसा व्यवहार करें, कहाँ उन्हें खाना खिलाएँ और कब शिकायत दर्ज करें। बिना जनसहयोग यह नीति सफल नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट का यह संशोधित आदेश भारत में इंसानों और जानवरों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष में एक मध्य मार्ग तलाशने की कोशिश है। यह न तो पूरी तरह पशु-प्रेमियों के पक्ष में है और न ही केवल इंसानों की सुरक्षा पर केंद्रित है। बल्कि इसमें दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है। यह सच है कि समाज और प्रशासन के सामने अभी भी कई चुनौतियाँ हैं- शेल्टर होम की व्यवस्था, वैक्सिनेशन की प्रक्रिया, और स्थानीय स्तर पर नियमों का पालन। लेकिन अगर इस आदेश को सही ढंग से लागू किया गया तो यह न केवल आवारा कुत्तों की स्थिति सुधार सकता है बल्कि समाज में इंसानों और जानवरों के बीच सह-अस्तित्व का एक नया मॉडल भी पेश कर सकता है। इस फैसले का संदेश साफ़ है: मानव सुरक्षा और पशु अधिकार- दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

मुद्दा

मानसून सत्र : करोड़ों की बरबादी के साथ लोकतंत्र का तमाशा बना

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

संसद का 21 जुलाई से शुरू हुआ मानसून सत्र बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के जोरदार हंगामे और विरोध प्रदर्शनों की भेंट चढ़ गया। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और अधिकांश बहुमूल्य संसदीय समय नारेबाजी और व्यवधान के कारण नष्ट हो गया। बताया जाता है भारी हंगामे के फलस्वरूप 204 करोड़ रूपये की राशि बर्बाद हुई। इस दौरान संसद में नारेबाजी, बिल फाड़कर फेंकने और तख्तियां लहराने जैसी अशोभनीय घटनाएं भी देखने को मिलीं। लोकसभा स्पीकर ने बताया कि पूरे सत्र में 14 विधेयक पेश किए गए और 12 विधेयक पारित हुए। हालांकि, संविधान में 130वें संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया। इन सबके बीच, 28-29 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक विशेष चर्चा हुई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन को संबोधित किया। इसके अलावा, 18 अगस्त को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर भी एक विशेष चर्चा की गई। संसद सत्रों की कार्यवाही पर एक नज़र डालें तो लगेगा संसद में काम कम और हंगामा ज्यादा होता है। जनता के खून पसीने की कमाई हंगामे की भेंट चढ़ जाती है जो किसी भी स्थिति में लोकतंत्र के लिए हितकारी नहीं है। संसद के पिछले कुछ सत्रों में ऐसा ही कुछ हो रहा है। संसदीय लोकतंत्र में संसद ही सर्वोच्च है। हमारे माननीय संसद सदस्य इस सर्वोच्चता का अहसास कराने का कोई मौका भी नहीं चूकते, पर खुद इस सर्वोच्चता से जुड़ी जिम्मेदारी-जवाबदेही का अहसास करने को तैयार नहीं। बेशक विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ऐसी तस्वीर बेहद निराशाजनक ही नहीं, चिंताजनक भी है। संसद ठप रहने की बढ़ती प्रवृत्ति भी कम खतरनाक नहीं है। संसद सत्र अपने कामकाज के बजाय हंगामे के लिए ही समाचार माध्यमों में सुर्खियां बनता जा रहा है। अगर हम संसद की घटती बैठकों के मद्देनजर देखें तो सत्र के दौरान बढ़ता हंगामा और बाधित कार्यवाही हमारे माननीय सांसदों और उनके राजनीतिक दलों के नेतृत्व की लोकतंत्र में आस्था पर ही सवालिया निशान लगा देती है।संसद की देखा देखी अब राज्यों की विधान सभाओं में भी कामकाज के स्थान पर हंगामा ही देखने को मिल रहा है। विधानसभाएं शोर शराबे और हंगामे की केंद्र बिंदु बन गई है। किसी न किसी बहाने हंगामा करना स्वस्थ बहस से ज्यादा जरुरी हो गया है। विरोध का भी एक तरीका होता है।

हंगामे का मतलब किसी मसले पर सरकार से जवाब मांगना या किसी मसले पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसे हालात पैदा करना होता है जिससे वहां कोई काम ही न हो सके। इसके भरे-पूरे आसार हैं कि अगर सियासी पार्टी हंगामा करने लायक कोई मसले नहीं खोज पाई तो उसे ऐसे मसले उपलब्ध करा दिए जाएंगे। मगर अब हर छोटी मोटी बात पर हंगामा मामूली बात रह गया है। ऐसा लगता है जैसे हमारी स्वस्थ परम्पराएं अब लुप्त सी हो गई है। संसद हो या विधान सभा उनके अध्यक्ष के लिए सुचारु सञ्चालन भारी मुसीबत बनकर रह गया है। कोई भी नियम कानून मानने को तैयार नहीं है। अमर्यादित व्यवहार, शोरगुल और अध्यक्षीय आसन के प्रति घोर अवमानना की घटनाएं बहुधा होती हैं। जनता चाहती है कि संसद चले। पूरे समय चले। विचार विमर्श हो, जनहित के मुद्दे उठे और दलों में परस्पर सद्भाव हो।

गौरतलब है 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पक्ष और विपक्ष में जो कटुता देखने को मिल रही है वह लोकतंत्र के हित में नहीं कही जा सकती। इससे हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली का ह्रास हुआ है। आज सत्ता और विपक्ष के आपसी सम्बन्ध इतने खराब हो गए है की आपसी बात तो दूर एक दूसरे को फूटी आँख भी नहीं सुहाते। दुआ सलाम और अभिवादन भी नहीं करते। औपचारिक बोलचाल भी नहीं होती। लोकतंत्र में सत्ता के साथ विपक्ष का सशक्त होना भी जरुरी है मगर इसका यह मतलब नहीं है की कटुता और द्वेष इतना बढ़ जाये की गाली गलौज की सीमा भी लाँघी जाये। लोकतंत्र की सफलता पक्ष और विपक्ष की मजबूती में है। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो। देश सबसे बड़ा है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है जो दुखद है। अब समय का तकाजा है सभी राजनीतिक पार्टियों में जो कुछ गंभीर और समझदार नेता बचे हैं वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभ्यता और मर्यादा बनाए रखने के लिए कोशिशें शुरू करें।

नजरिया

दागी जेल से नहीं चला पाएंगे सरकार

प्रमोद भार्गव

अर्से से चुनाव सुधार के लिए ऐसी विसंगतियां दूर करने की मांग उठती रही है, जिनके चलते दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों के आरोपियों को चुनाव लड़ने के अधिकार के साथ, मुख्यमंत्री रहते हुए जेल से सरकार चलाने का अधिकार भी मिला हुआ है। किंतु अब केंद्र सरकार तीन संविधान संशोधन विधेयक लाकर इन विरोधाभासी कानूनों को बदलने की तैयारी में है, जो दागियों को जेल में रहते हुए सरकार चलाने की सुविधा देते हैं। कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा में 130वां संविधान संशोधन विधेयक समेत तीन विधेयक पेश किए गए। इनमें गंभीर आपराधिक आरोप में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लगातार 30 दिनों तक जेल में बंद रहने की स्थिति में स्वमेव पद से हटाने का प्रविधान शामिल है। दरअसल दागियों को चुनाव लड़ने से तब तक बाधित नहीं किया जा सकता है, तब तक वर्तमान विरोधाभासी कानूनों में परिवर्तन नहीं कर दिया जाता। इस मकसद पूर्ति के लिए केंद्र सरकार तीन विधेयक पारित कराने की इच्छुक है। पहला, संविधान में 130 वां संशोधन विधेयक-2025 है, जिसके तहत 30 दिन तक जेल में रहकर पद पर बने रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को हटाने का प्रविधान है। पारित होने के बाद यह कानून केंद्र और राज्य सरकारों पर लागू होगा। दूसरा विधेयक केंद्र शासित प्रदेशों के लिए इन्हीं प्रविधानों के साथ लागू होगा। तीसरा विधेयक जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (34) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। अतएव धारा-54 में संशोधन करके आपराधिक मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को 30 दिन में हटाने का प्रविधान किया जाएगा। हालांकि इन सभी विधेयकों में जमानत की सुविधा दी गई है। यदि 30 दिन में जमानत नहीं मिलती है तो ये स्वयं अयोग्यता के दायरे में आ जाएंगे। यदि बाद में जमानत मिल जाती है तो फिर से पद पर बैठने के अधिकारी हो जाएंगे।

सरकार को संसद के दोनों सदनों से संशोधन विधेयक पारित कराने होंगे। वर्तमान में दलों के बीच जबरदस्त असहमति और टकराव है, अतएव ऐसा संभव होना कठिन है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ऐसे किसी बदलाव को संविधान का खात्मा करने का बहाना करते हुए संसद में हल्ला मचाएंगे और अन्य जिन विपक्षी दलों की बुनियाद दागियों पर टिकी है, वह उनका समर्थन करेंगे। हालांकि भाजपा और उनके सहयोगी दलों में भी दागियों की संख्या कम नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह अपेक्षा इसलिए की जा सकती है, क्योंकि एक तो वे चुनाव सुधार की मुखर पैरवी करते रहे हैं, दूसरे जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली धारा 370 को खत्म करने का साहस दिखा चुके हैं। इसलिए तत्काल टकराव को टालने के नजरिये से गृहमंत्री अमित शाह ने इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को समीक्षा हेतु भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ने स्वीकार भी कर लिया। चूंकि ये विधेयक विधायिका को अपराध मुक्त बनाने की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक हैं, इस कारण संयुक्त संसदीय समिति भी इन विधेयकों को समर्थन में दिखाई देगी ?

दरअसल जेल में बंद और जमानत पर छूटे दागियों को इसलिए राहत मिल जाती है, क्योंकि कानून की निगाह में आरोपी को दोष सिद्ध नहीं हो जाने तक निर्दोष माना जाता है। इसी आधार पर बंदी और दो साल से कम की सजा पाए लोगों को चुनाव में हस्तक्षेप के अधिकार मिले हुए हैं। देश में जाति और संप्रदाय आधारित विडंबनाएं इस हद तक हैं कि अनेक दागी चुनाव जीत भी जाते हैं। यहां तक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से विजय हासिल कर ली थी। इसी तरह टेरर फंडिग में तिहाड़ जेल में बंद इंजीनियर रशीद ने जम्मू-कश्मीर की बारामूला विधानसभा सीट से चुनाव जीत लिया था। इस परिप्रेक्ष्य में विचारणीय बिंदू यह भी है कि हत्या, बलात्कार, आतंक, अलगाव और हिंसा भड़काने वाले लोग यदि जीतकर संसद और विधानसभा में पहुंच जाते हैं, तब क्या इन सदनों की गरिमा या संविधान की महिमा बढ़ जाती है ? यदि नहीं बढ़ती तो राजनीतिक दल इन्हें टिकट क्यों देते हैं ? क्या उन्हें देश की अखंडता की चिंता नहीं है? नागरिक शुचिता की अपेक्षा जहां मतदाता से की जाती है, वहीं संवैधानिक मर्यादा का पालन करने का दायित्व दल और निर्वाचित प्रतिनिधियों का है।

दागियों के बचाव में राजनेता और कथित बुद्धिजीवी बड़ी सहजता से कह देते हैं कि दागी, धनी और बाहुबलियों को यदि दल उम्मीदवार बनाते हैं तो किसे जिताना है, यह तय स्थानीय मतदाता को करना होता है। बदलाव उसी के हाथ में है। वह योग्य, शिक्षित तथा स्वच्छ छवि के प्रतिनिधि का चयन करे। लेकिन ऐसी स्थिति में अकसर मजबूत विकल्प का अभाव होता है। अतएव मतदाता के समक्ष दो प्रमुख दलों के बीच से ही उम्मीदवार चयन की मजबूरी पेश आती है। लोक पर राजनेता की मंशा असर डालती है। जनता अथवा मतदाता से राजनीतिक सुधार की उम्मीद करना इसलिए बेमानी है, क्योंकि राजनीति और उसके पूर्वग्रह पहले से ही मतदाताओं को धर्म और जाति के आधार पर बांट चुके होते हैं। बसपा, सपा और एआईएमआईएम का तो बुनियादी आधार ही जाति है। वैसे भी देश में इतनी अज्ञानता, अशिक्षा, असमानता और गरीबी है कि लोग बांटी जा रही मुफ्त की रेवड़ियों के आधार पर मतदान करने लगे हैं। ऐसे में जिस स्तर पर भी केंद्र सरकार राजनीति में शुचिता और नैतिकता के कानूनी मानदंड स्थापित करने के प्रयास में है तो विपक्ष को राष्ट्रहित में समर्थन करने की जरूरत है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन का शुक्रवार को रांची में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो नेता शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड विधानसभा में मानसून सत्र के पुन: आरंभ होने पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो द्वारा स्वागत किया गया।

मंत्री पीए मोहम्मद रियाज

अपनी भव्यता और विविधता के साथ आ रहा है मलयाली लोगों का लोकप्रिय त्योहार 'ओणम'

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत। मलयाली लोगों का बहुप्रतीक्षित त्योहार 'ओणम' दुनिया के उन गिने-चुने त्योहारों में से एक है, जो पौराणिक कथाओं, प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को एक मनमोहक चित्रकारी के रूप में समन्वित करता है। इस वर्ष, दस दिवसीय ओणम का त्योहार 26 अगस्त से शुरू हो रहा है। यह 5 सितंबर को 'थिरुवोनम' दिवस के साथ संपन्न होगा। ओणम अपनी सुंदरता, गरिमा, आकर्षण और व्यापकता के लिए जाना जाता है। ओणम, जो मलयालम कैलेंडर के 'चिंगम' महीने में पड़ता है, दक्षिण-पश्चिम मानसून के तीन महीनों के बाद आता है। यह वह समय होता है, जब धरती मां की कोख से ताजी कोपलें फूटती हैं और हर तरफ एक प्यारा-सा समां छाया होता है।

महाबली की कथा से जुड़ाव

ओणम से एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। केरल क्षेत्र पर युगों पहले राजा महाबली का शासन था। वहां किसी प्रकार की चोरी, छल या द्वेष का नामोनिशान नहीं था। भगवान विष्णु ने एक वामन का रूप धारण किया और उनके एक पैर ने पूरी धरती और दूसरे ने पूरा स्वर्ग ले लिया। राजा को तब पाताल लोक जाना पड़ा। उन्होंने साल में एक बार अपनी प्रजा से मिलने का वरदान मांगा था। ओणम वही त्योहार है, जब महाबली घर आते हैं।

फूलों के कालीन

ओणम की सबसे प्राचीन और रंगीन छवि महाबली के स्वागत में फूलों के कालीन बिछाने की परंपरा है। इसे 'अथ पूक्कलम' भी कहा जाता है। यह तिरुवोणम से 10 दिन पहले, राशि चक्र पंचांग के 'अथम दिवस' पर घरों में शुरू होता है। पूक्कलम स्कूलों, कार्यालयों और तकनीकी परिसरों में बिछाया जाता है। किसी भी आगंतुक का स्वागत पूक्कलम से किया जाता है। परिवार के सदस्य कालीन बनाते समय अपने सौंदर्य बोध का पूरा उपयोग करते हैं।

ओणम साध्या, बहु-व्यंजन भोज

ओणम साध्या, केले के पत्ते पर परोसा जाने वाला बहु-व्यंजन भोज, इस त्योहार का एक लाजवाब आकर्षण है। परंपरागत रूप से, साध्या घर पर महिलाओं द्वारा तैयार किया जाता था और पुरुष केले के चिप्स और पकौड़े तलने में मदद करते थे। केले के पत्तों में परोसे जाने वाले ये व्यंजन पारंपरिक रूप से शाकाहारी होते हैं। चावल, सांभर, अवियल, रसम, ओलन, एरीसेरी, पापड़म, तले हुए केले के चिप्स और अचार के साथ मीठे 'प्रधानम' जैसे व्यंजनों की सूची काफी लंबी है। ओणम साध्या भारत के प्रमुख शहरों के अलावा मध्य पूर्व, अमेरिका और ब्रिटेन के प्रमुख रेस्टोरेंट और स्टार होटलों में उपलब्ध होता है।

महिलाएं उत्सवों के केंद्र में

इस मौसम में कई खेल परंपराओं की वापसी होती है। कभी जब महिलाएं मूलत: गृहिणी थीं, ओणम उनके लिए अपनी कलात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का एक अवसर था। इसमें नृत्यकला की कई अभिव्यक्तियां होती हैं।

खेलों का मौसम

केरल के कुछ हिस्सों में, ओणम पुरुषों को ओनाथल्लू नामक एक मनोरंजक युद्ध में भाग लेकर अपनी शारीरिक शक्ति का प्रदर्शन करने का अवसर देता है। इसकी रणनीतियां कलारीपयट्टू की मार्शल आर्ट से ली गई हैं।

सामुदायिक सांस्कृतिक स्थल

ये सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां घरों के मैदानों से सामुदायिक स्थलों पर पहुंच गई हैं। राज्य सरकार राजधानी, जिला मुख्यालयों, शहरों और कस्बों में पूरे एक सप्ताह तक बड़े पैमाने पर ओणम समारोह आयोजित करती है। स्थानीय सांस्कृतिक संगठन अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

पर्यटन सप्ताह समारोह

इस मौसम में बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगमन होता है। उनके स्वागत और उत्सव स्थलों के भ्रमण के लिए पर्यटन विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा कि सरकार द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाला पर्यटन उत्सव केरल की शास्त्रीय, लोक और जातीय कलाओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है। यह सैकड़ों कलाकारों को राजधानी और राज्यभर के केंद्रों में प्रदर्शन करने का अवसर देता है। मंत्री ने कहा कि ओणम के मौसम में पर्यटक विविधतापूर्ण संस्कृति का अनुभव कर सकते हैं। इस वर्ष, पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाले पर्यटन सप्ताह समारोह का उद्घाटन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन 3 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मुख्य मार्गों और ऐतिहासिक इमारतों की रोशनी से सराबोर यह समारोह 9 सितंबर को एक भव्य रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न होगा।

नौका दौड़

ओणम नौका दौड़ का भी मौसम है। केरल में कई विशाल बैकवाटर हैं। त्रावणकोर, विशेष रूप से निचले इलाके कुट्टनाड का धान का कटोरा, नौका दौड़ का केंद्र रहा है। मुख्य आकर्षण चुंडनवल्लम है। यह 140 फीट लंबी सर्प-नाव होती है, जिसमें 120 पैडलर्स बैठ सकते हैं। छोटी-छोटी नावें भी होती हैं, जिनसे महिलाएं प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं।

'पुतिन यूक्रेन से रियायतें मांगकर 'जाल' बिछा रहे हैं'

कीव/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख ने शुक्रवार को कहा कि तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते के तहत यूक्रेन द्वारा रूस को भू-भाग सौंपने की संभावना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बिछाया हुआ एक ''जाल'' है।

काया कलास ने कहा कि रूसी नेता अपनी सेना के आक्रमण को रोकने के बदले में यूक्रेनी रियायतों की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों को पूरा करना उस देश को पुरस्कृत करने के समान होगा जिसने लड़ाई शुरू की थी। कलास ने बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि पुतिन को रियायतें देने की हालिया चर्चा ''बिल्कुल वही जाल है जिसमें रूस हमें फंसाना चाहता है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है कि चर्चा इस बात पर हो रही है कि यूक्रेन को क्या त्यागना चाहिए, यूक्रेन क्या रियायतें देने को तैयार है, जबकि हम भूल रहे हैं कि रूस ने एक भी रियायत नहीं दी है और यहां वे ही आक्रामक हैं, वे ही हैं जो दूसरे देश पर क्रूरतापूर्वक हमला कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह अलास्का में पुतिन के साथ युद्ध पर चर्चा करने तथा सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं की मेजबानी करने के बावजूद, अमेरिका के नेतृत्व में किए जा रहे शांति प्रयासों को गति प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है।

औपचारिक शांति प्रस्ताव के लिए कई विवरणों पर विचार-विमर्श की आवश्यकता है। इस बीच, रूस ने यूक्रेन पर हमले जारी रखे हैं और कीव की कुछ प्रमुख मांगों पर आपत्ति जताई है।

यूक्रेन के लिए युद्ध के बाद की स्थिति में पश्चिमी सुरक्षा गारंटी की स्थापना के बारे में कीव का कहना है कि एक और रूसी हमले को रोकने के लिए इसकी आवश्यकता है। वहीं, कलास ने कहा, ऐसा लगता है कि हम इसे निर्धारित करने के मामले में कुछ ही दूर हैं। उन्होंने कहा, रूस बस टालमटोल कर रहा है। यह स्पष्ट है कि रूस शांति नहीं चाहता। राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि हत्याएं रुकनी चाहिए और पुतिन बस हंस रहे हैं, हत्याएं रोकने के बजाय, हत्याएं बढ़ा रहे हैं।

इस बीच, यूक्रेन ने रूस पर लंबी दूरी के हथियारों से जवाबी हमला किया है। इसने तेल रिफाइनरी सहित अन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, और हाल के दिनों में रूसी पेट्रोल की थोक कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। यूक्रेन की ड्रोन सैन्य इकाई के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवडी (जिन्हें मग्यार के नाम से भी जाना जाता है) के अनुसार, यूक्रेनी सेना ने शुक्रवार को रूस में द्रुज्बा तेल पाइपलाइन को निशाना बनाया, जिससे ब्रांस्क क्षेत्र में उनेचा तेल पंपिंग स्टेशन को नुकसान पहुंचा। द्रुज्बा पाइपलाइन रूस से शुरू होती है और बेलारूस व यूक्रेन होते हुए स्लोवाकिया और हंगरी तक तेल पहुंचाती है। रूस में, इसका एक हिस्सा ब्रांस्क क्षेत्र और उनेचा जिले से होकर गुजरता है।

ब्रांस्क क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने एक टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि यूक्रेन ने संयुक्त हमले में इस क्षेत्र पर हिमरास रॉकेट और ड्रोन दागे। यह पाइपलाइन हंगरी को आधे से अधिक कच्चे तेल की आपूर्ति करती है। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने शुक्रवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि द्रुज्बा पाइपलाइन पर ''थोड़े ही समय में तीसरी बार'' हमला हुआ है।

मंत्री ने लिखा, यह हमारे देश की ऊर्जा सुरक्षा पर एक और हमला है। हमें युद्ध में घसीटने की एक और कोशिश है।

अनावरण

बेंगलूरु में एक समारोह में गंगटोक में सीसीएचएचएल की 51वीं संपत्ति 'वैली विस्टा रिज़ॉर्ट' के शुभारंभ के दौरान कंट्री क्लब हॉस्पिटैलिटी एंड हॉलिडेज लिमिटेड (सीसीएचएचएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वाई. राजीव रेड्डी ने वीआईपी गोल्ड सदस्यता कार्ड विशेष का अनावरण किया।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी पाकिस्तान के सेना प्रमुख से मिले, क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की

इस्लामाबाद/भाषा। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार को पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से भेंट की तथा क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद रोधी उपायों और आपसी हित के मामलों पर चर्चा की।

वांग इस्लामाबाद में विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता के छठे दौर में भाग लेने के लिए बुधवार को पाकिस्तान पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से भी मुलाकात की तथा क्षेत्रीय शांति, विकास और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने की चीन की प्रतिबद्धता दोहरायी।

पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि चीन ने पाकिस्तान की संप्रभुता और विकास के लिए 'दृढ़ समर्थन' व्यक्त किया है, क्योंकि दोनों पक्ष अपनी 'सदाबहार रणनीतिक साझेदारी' को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं।

उसने कहा कि सेना प्रमुख मुनीर और चीनी विदेश मंत्री वांग के बीच चर्चा क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी कदमों और आपसी हित के मामलों पर केंद्रित रही।

मुनीर ने निरंतर समर्थन के लिए चीन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पिछले महीने मुनीर चीन गए थे, जहां उन्होंने उपराष्ट्रपति हान जेंग, वांग और शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की थी, लेकिन अपने पूर्ववर्ती जनरल कमर जावेद बाजवा की तरह राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात नहीं की थी।

बृहस्पतिवार को वांग और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) 2.0, व्यापार और आर्थिक संबंध, बहुपक्षीय सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों समेत द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा के लिए रणनीतिक संवाद किया था।

वांग काबुल से इस्लामाबाद पहुंचे। काबुल में उन्होंने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में हिस्सा लिया।

जश्न

नई दिल्ली में शुक्रवार को जंतर-मंतर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और पशु कल्याण से जुड़े लोगों ने आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के पुनर्विचारित फैसले का जश्न मनाया।

सेंसर बोर्ड की मंजूरी से इनकार के बाद बम्बई उच्च न्यायालय देखेगा योगी के जीवन पर आधारित फिल्म

मुंबई/भाषा

बम्बई उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित फिल्म को प्रमाण-पत्र नहीं देने के सेंसर बोर्ड के फैसले के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि अदालत यह फिल्म देखेगी। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' पुस्तक से प्रेरित इस फिल्म को प्रमाणित करने से इनकार कर दिया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने सहित कई आपत्तियां उठाईं। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह फिल्म देखने के बाद फिल्म निर्माताओं की याचिका पर फैसला लेंगे। अदालत ने निर्माताओं को फिल्म की एक प्रति जमा करने का निर्देश दिया, जिसमें उन दृश्यों या अंशों को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया गया हो, जिन पर बोर्ड ने आपत्ति जताई है।

मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी। जिस किताब पर यह फिल्म आधारित है, उसकी एक प्रति पहले ही अदालत में जमा कर दी गई है। फिल्म निर्माताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रवि कदम, सत्य आनंद और निखिल अराधे ने दलील दी कि सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के तहत वैकल्पिक उपाय उपलब्ध होने के बावजूद उच्च न्यायालय उनकी याचिका पर फैसला सुना सकता है। वरिष्ठ वकील कदम ने दलील दी कि सीबीएफसी संशोधन समिति द्वारा प्रमाणन देने से इनकार करना न केवल फिल्म निर्माताओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बोर्ड ने एक व्यक्ति (मुख्यमंत्री आदित्यनाथ) से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कहकर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर भी काम किया है। उन्होंने कहा, वे किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों के संरक्षक नहीं हैं।

मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया : तनीषा मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ने दर्शकों का दिल जीता, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। लेकिन, तनीषा का मानना है कि उनकी हर फिल्म ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। अपनी फिल्मी यात्रा के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर एक ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। चाहे वो भावनाओं से भरी फिल्म 'टैंगो चार्ली' हो, मस्ती भरी फिल्में 'पॉपकॉर्न' या 'नील एन निक्की' या फिर कॉमेडी जैसी '123', हर फिल्म का अनुभव अलग रहा। 'सरकार' जैसी फिल्म मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था, जहां मैंने राजनीति पर बनी कहानी में शानदार कलाकारों के साथ काम किया। हर फिल्म ने मुझे कुछ नया सिखाया और मुझे अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बनकर हमेशा अच्छा लगा। बात करें अभिनेत्री के करियर की तो उन्होंने फिल्म 'टैंगो चार्ली' में बॉबी देओल के अपोजिट 'लच्छी' का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और गहरी भावनाओं वाली भूमिका थी। यह फिल्म जंग और फर्ज की सच्चाइयों पर आधारित थी। 'पॉपकॉर्न...' में तनीषा ने एक कॉलेज थीम वाली फिल्म में युवा जोश को जीवंत किया था। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित इस फिल्म में उनका चुलबुला अंदाज और बेफिक्र किरदार दर्शकों को खूब भाया। यह फिल्म आज भी युवा ऊर्जा और कॉलेज जीवन की मस्ती को दर्शाती है। 'नील एन निक्की' में तनीषा ने आधुनिक रोमांस की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म यात्रा, संगीत और युवा आकर्षण से भरी थी। तनीषा ने अपने किरदार को रंगीन और जीवंत अंदाज में पेश किया, जो आज भी समकालीन रोमांस का प्रतीक है। वहीं, 'सरकार' में तनीषा ने अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। जटिल कहानी और गहरे किरदारों के बीच उनका अभिनय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, जो आज भी प्रशंसनीय है। कॉमेडी फिल्म '123' में तनीषा ने सुनील शेट्टी और परेश रावल जैसे सितारों के साथ काम किया। इस हास्यप्रद कहानी में उनकी मौजूदगी ने फिल्म की हल्की-फुल्की अपील को और बढ़ाया। उनका हास्य भरा किरदार दर्शकों को खूब हंसाता है।

'एक दीवाने की दीवानियत' का फर्स्ट लुक आउट

मुंबई/एजेन्सी

इस साल की शुरुआत में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की नई फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ था। तभी से ही इस मूवी के लिए फैंस उत्सुक दिखे थे। हर्षवर्धन राणे की इस मूवी का नाम है 'एक दीवाने की दीवानियत'। इसका फर्स्ट लुक गुरुवार को जारी कर दिया गया। इसके फर्स्ट लुक पोस्टर में हर्षवर्धन और सोनम बाजवा की केमिस्ट्री साफ-साफ दिख रही है। यह पहली बार है जब ये दोनों स्टार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। इसके साथ ही इस मूवी की रिलीज डेट भी फाइनल हो गई है। दिवाली पर 21 अक्टूबर को ये सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सनम तेरी कसम' के बाद से ही हर्षवर्धन राणे की फिल्मों का फैंस को इंतजार रहता है। जब से इस फिल्म की अनाउंसमेंट हुई थी, तभी से ही लोग इसके लुक और रिलीज डेट के बारे में पूछने लगे थे। यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें प्यार, जुनून और दिल टूटने की एक भावुक कहानी होगी। इस फिल्म का

निर्देशन मिलाप जावेरी कर रहे हैं। इसके सह-निर्माता राघव शर्मा हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए मिलाप ने कहा, यह असल में एक भावुक प्रेम कहानी है। हर्षवर्धन और सोनम की केमिस्ट्री कमाल की है, और मैं इस दिवाली दर्शकों को इसे देखने के लिए बेताब हूं।

सोनम बाजवा के पास और भी फिल्में हैं; उन्हें 'हाउसफुल 5' में देखा गया था। उनके पास टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' भी है, जो 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। जबकि हर्षवर्धन के पास भी कुछ फिल्में हैं जिनमें 'तुम ही हो' और 'सिला' जैसी मूवी के नाम शामिल हैं। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की भिड़ंत कार्तिक आर्यन की मूवी से होगी, जिसका नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है। फिल्म में श्रीलीला के साथ उनकी जोड़ी पहली बार दिखाई देगी। अब दोनों में से कौन सी मूवी हिट होगी, ये तो वक्त ही बताएगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि आर्यशेखरविजयजी के पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन अपने प्रवचन में साधर्मिक भक्ति एवं क्षमापना विषय पर कहा कि जैसे दीपावली में हम घर को सजाते हैं, रंगोली करते हैं ठीक वैसे ही पर्युषण पर्व में आत्मा को सजाना है, तपस्या की रंगोली करनी है।

जैन साधना पद्धति का केंद्र बिंदु है सामायिक : साध्वी संयमलता

तेयुप विजयनगर, राजाजीनगर एवं हनुमंतनगर द्वारा सामूहिक सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित अर्हम भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर, राजाजीनगर एवं हनुमंतनगर द्वारा सामूहिक रूप से अभिनव सामायिक का आयोजन किया गया। पवन मांडोत ने अभिनव सामायिक का महत्व बताते हुए सभी का स्वागत किया। तेयुप के अध्यक्ष विकास बाँठिया एवं स्वरुप चोपड़ा ने अभिनव सामायिक की शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात साध्वी मार्दवजी ने अभिनव सामायिक का प्रयोग करवाया। साध्वी संयमलता जी ने कहा कि जैन साधना पद्धति का केंद्र बिंदु है सामायिक।

सामायिक मन की शिथिलता, शरीर की चंचलता एवं तनाव मुक्ति का प्रशस्त साधन है। भगवान महावीर ने सामायिक को समता की साधना बताया था। भगवान ने कहा कि जन्म जन्मांतर से अर्जित कर्म जो तप से क्षीण नहीं होते हैं, वे एक शुद्ध सामायिक से क्षीण हो सकते हैं। समय को संतुलन की साधना भी कहा गया है। इससे जीव क्षायिक सम्यकत्व से संपन्न बनता है। साध्वीश्री ने सभी को प्रतिदिन एक सामायिक करने की सलाह दी। इस अवसर पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। तेयुप विजयनगर, राजाजीनगर एवं हनुमंतनगर के पदाधिकारी सहित विजयनगर के चातुर्मास के दौरान कार्यशालाओं के प्रायोजक मनोहरलाल बाबेल एवं श्रावक श्राविका समाज उपस्थित था। अभिनव सामायिक के कार्यक्रम में तेयुप विजयनगर के सामायिक संयोजक विमल पारख ने विशेष सहयोग दिया।

मां प्रकृति की अनमोल कृति होती है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के तीसरे दिन प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र आज भी हमें प्रेरणा देता है। वे तीन खंड के अधिपति होने के बावजूद नित्य प्रति अपनी माता के चरण स्पर्श करते थे। मां वात्सल्य की सजीव साक्षात मूर्ति होती है। मां के पास अपनी संतान के लिए आशीर्वाद का अनंत खजाना होता है। मां प्रकृति की अनमोल कृति होती है। मां हमारी पहली गुरु होती है। मां हमें नवकार सिखाती है। हमारा कर्तव्य है कि हम कुछ समय प्रतिदिन माता-पिता के पास बैठें, उनके सुख दुख पूछें। माता-पिता हमसे समय के सिवाय कुछ नही मांगते हैं। माता पिता के चरणों में शीश झुकाने से जो उन्हें आनंद की अनुभूति होती है वह अन्य किसी प्रयास से नहीं हो सकती है। आशीर्वाद के बिना हम फूल तो सकते हैं किंतु फल नहीं सकते हैं।प्रकृति भी मां के साथ होती है। गर्भ में शिशु के आते ही ऐसी व्यवस्था हो जाती है कि बालक कभी भूखा नहीं रहे। श्रीकृष्ण ने अपनी माता को प्रसन्न करने के लिए तपस्या तक की थी।ङ्कङ्कआज के प्रवचन विषय 'छोड़ सब जंजाल' पर साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इस संसार में दुख प्रचुर मात्रा में हैं।यह जगत जैसा दिखता है वैसा नहीं है। हम अपने आप को इतना सीमित कर लें कि हमारी दुर्गति नहीं होगी। हम प्रतिक्रमण रोज करें। अन्तराय कर्म से बचें। धर्म, दान या दीक्षा लेने के इच्छुक के मार्ग में बाधक नहीं बनें। सभा का संचालन मंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया।अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

साधर्मिक भी भक्ति करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य : मुनि आर्यशेखरविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि आर्यशेखरविजयजी के पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन अपने प्रवचन में साधर्मिक भक्ति एवं क्षमापना विषय पर कहा कि जैसे दीपावली में हम घर को सजाते हैं, रंगोली करते हैं ठीक वैसे ही पर्युषण पर्व में आत्मा को सजाना है, तपस्या की रंगोली करनी है। जिनेश्वर की भक्ति की रंगोली करनी है। संतश्री ने एक कथा के माध्यम से बताया कि जीवन में सुखानुबंध, ऋणानुबंध से भी अधिक लाभ गुणानुबंध में है। दूसरों के गुणों का अनुबंध करें। शास्त्रों के अनुसार श्रेष्ठ दानों में अभयदान, सुपात्रदान, अनुकंपादान बताए गए हैं परंतु साधर्मिक के लिए दान शब्द का उपयोग नहीं किया गया। उसके लिए साधर्मिक भक्ति करने को कहा गया है जो कि सभी दानों से भी श्रेष्ठ है। संतश्री ने साधर्मिक भक्ति के अनेक उदाहरण देते हुए कहा कि जो अपनों का भला नहीं कर सकता वह किसी का भला नहीं कर सकेगा, इसलिए सबसे पहले अपने साधर्मिक का उत्थान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे पोस्टमैन को देखकर डाकघर की, वकील को देखकर कोर्ट की, डॉक्टर को देखकर हॉस्पिटल की याद आती है ठीक वैसे ही माथे पर चंदन का तिलक देखने से साधर्मिक की याद आनी चाहिए। संतश्री ने कहा कि जैसे सागर का पानी खारा होता है लेकिन सूर्य की गर्मी से ऊपर चढ़कर बादल बनता है और फिर से नीचे मीठा बनकर बरसता है वैसे ही हमें भी अपनी लक्ष्मी को अच्छे कामों में खर्च करनी चाहिए। जैसे एक लड़की विवाह करके ससुराल जाती है तो वहां के सभी लोगों से रिश्ता बनता है। वैसे ही जैन धर्म में जन्म लेने वाला हमारा रिश्तेदार बन जाता है। हमें उसकी हर संभव मदद करनी चाहिए। शुक्रवार को संघ में कल्पसूत्र के चढ़ावे हुए जिसका लाभ मनोहरमल घेवरचंद श्रीश्रीमाल परिवार ने लिया। संघ के साथ कल्पसूत्र उनके घर ले जाया जाएगा।

'कल्पसूत्र' जिनशासन का प्रमुख ग्रन्थ है : मुनि मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि मंत्र, शास्त्र, पर्व और तीर्थ इन चार चीजों को प्रत्येक धर्म में बहुत ही प्रमुख स्थान दिया है। जैन धर्म में नवकार महामंत्र सर्वश्रेष्ठ मंत्र, कल्पसूत्र सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ, शत्रुंजय सर्वश्रेष्ठ तीर्थ और पर्वाधिराज पर्युषण सर्वश्रेष्ठ महापर्व माना गया है। परमात्मा महावीर के समय श्रुत परंपरा थी जिसमें शिष्य एक बार सुनते और उन्हें सारा ग्रंथ याद हो जाता था। उस समय लेखन की परंपरा नहीं थी। परमात्मा महावीर के निर्वाण के करीब 980 वर्ष पश्चात स्याही के प्रयोग से ग्रंथों का लेखन प्रारंभ हुआ। आज से करीब 1500 से अधिक वर्षों पूर्व से पर्युषण में कल्पसूत्र का वांचन प्रारंभ हुआ। कल्प सूत्र के प्रथम खंड में जिन चरित्र, दूसरे खंड में साधु पट्टावली और तीसरे खंड में साधु समाचारी है। जिन शासन में 45 आगम हैं। इन आगमों में सबसे ज्यादा कल्पसूत्र का वांचन, श्रवण और लेखन हुआ है। कल्पसूत्र में वर्णित दस कल्पों में प्रथम अचेलक कल्प जिसमें प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ और अंतिम तीर्थंकर प्रभु महावीर के साधु सफेद वस्त्र पहनते थे और अन्य बाइस तीर्थंकर के साधु मूल्यवान रंगीन वस्त्र पहनते थे। दूसरा औदेशिक कल्प यानी साधु को उद्देश्य में रखकर गोचरी नहीं बनाना चाहिए। हमारी आराधना का लक्ष्य दोषों का नाश होना चाहिए। हमें पुण्य के कार्य आज करना चाहिए और पाप के कार्यों को कल के लिए टालना चाहिए। तीसरा शैयातर पिंड इसमें साधु को केंद्र में रखकर बनाया हुआ आराधना भवन नहीं होनी चाहिए जिसका आचार सभी तीर्थंकरों के साधुओं के लिए एक समान है। चौथा राजपिंड कल्प जिसमें राजा महाराजाओं के यहां बना हुआ भोजन साधु नहीं ग्रहण कर सकते हैं। पांचवा कृतिकर्म कल्प जिसमें दीक्षा पर्याय के अनुसार वंदन व्यवहार के बारे में बताया गया है। छठा महाव्रत कल्प, सातवां पुरुष ज्येष्ठ धर्म, आठवां प्रतिक्रमण कल्प, नवमां मास कल्प और दसवां पर्युषण महापर्व कल्प है जिसके बारे में कल्पसूत्र में बताया गया है।

कर्त्तव्य पलायन नहीं, बल्कि कर्त्तव्य परायण बनें : आचार्य अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

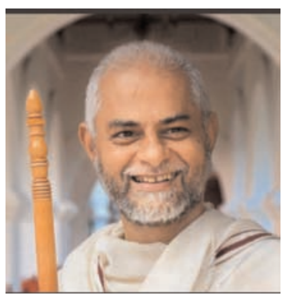

बेंगलूरु। शहर के माधवनगर स्थित वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर में पर्युषण पर्व की आराधना में प्रवचन देते हुए आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन तब ही धर्ममय बनता है जब वह कर्तव्यों के पालन से अनुप्राणित हो। श्रावक जीवन में जैसे दैनिक व रात्रिकालीन कर्तव्य बताए गए हैं, वैसे ही वार्षिक कर्तव्यों का भी शास्त्रों में विस्तृत उल्लेख मिलता है। आचार्यश्री ने विशेष रूप से ग्यारह वार्षिक कर्तव्यों का विस्तृत वर्णन किया और उन्हें आत्मशुद्धि व मोक्ष मार्ग का सेतु बताया। उन्होंने कहा कि वार्षिक कर्तव्य स्नात्र पूजा यानी भगवान के जन्म कल्याणक का प्रतीक, आत्मा की मलिनता धोने का साधन है।

देव द्रव्य वृद्धि अर्थात देवकार्य हेतु धन समर्पण, प्राचीन तीर्थों के जीर्णोद्धार में अधिक पुण्यफल की प्राप्ति करना। महापूजा का अर्थ है समग्र जिन चैत्यालय की भव्य सजावट, जिससे दर्शनार्थी के हृदय में वीतराग प्रभु के प्रति गहन भाव जागृत हो। रात्रि जागरण यानी विषय-विलास में न फँसकर प्रभुभक्ति, धर्मचिंतन व गुणगान में समर्पित हो। श्रुत ज्ञान भक्ति यानी शास्त्रों का लेखन, पठन-पाठन, संरक्षण व प्रचार-प्रसार। उजमणा यानी तप के शोभा और प्रभावना हेतु अनूठा धार्मिक आयोजन करना। तीर्थ प्रभावना यानी वीतराग देव, निर्ग्रन्थ गुरु और शासन की महिमा का प्रसार करना। शुद्धि (प्रायश्चित) यानी गुरु के मार्गदर्शन में आत्मा को पापबंधन से मुक्त कर शुद्ध बनाना। आचार्यश्री ने कहा कि इन ग्यारह कर्तव्यों को मोक्षाभिलाषी आत्मा को वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य आचरण में लाना चाहिए, तभी जीवन सफल और सार्थक बन सकता है। पौषध व्रत का महत्व बताते हुए आचार्यश्री ने कहा कि ज्ञान, दर्शन और चरित्र रूप आत्मधर्म की पुष्टि करे, उसे पौषध कहते हैं। इसमें आहार, श्रृंगार, अब्रह्मचर्य और पाप प्रवृत्ति का त्याग कर संयम व दीक्षा जीवन का अभ्यास किया जाता है। बिना संयम और सर्व त्याग के मोक्ष संभव नहीं और बिना मोक्ष के जीव को न स्थाई सुख मिलता है न संपूर्ण सुख, अतः प्रत्येक मानव को सर्व त्यागी बनने की निरंतर भावना रखनी चाहिए।

कर्मों के क्षय के लिए समता की साधना जरूरी है : साध्वी पुण्ययशा

आरआर नगर में आयोजित हुई अभिनव सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा सामायिक दिवस पर अभिनव सामायिक का आयोजन किया गया।

साध्वी विनीतयशाजी द्वारा त्रिपदी वंदना द्वारा सामूहिक रूप से प्रत्याख्यान करवाए गए। तत्पश्चात ध्यान, स्वाध्याय, योग आदि प्रयोगों से अभिनव सामायिक को पूर्ण रूप प्रदान किया गया। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने प्रवचन में भगवान महावीर स्वामी के सोलहवें भव (विश्वभृति) पर प्रकाश डालते हुए कर्मों के बारे में बताते हुए कहा कि कर्मों के कारण ही व्यक्ति भव परम्परा में उलझा रहता है। कर्मों के क्षय के लिए समता की साधना ज़रूरी है। समतामय धर्म द्वारा ही कर्मों पर विजय प्राप्त कर सकता है। जीवन का प्रमुख ध्येय ही समता है। सामायिक संवर और शोधन दोनों ही संयुक्त प्रक्रिया है। सामायिक अमूल्य है।

सामायिक कार्यक्रम में लगभग 400 से अधिक सामायिक हुई। तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर ने प्रवचन में उपस्थित अभातेयुप से परिषद के शाखा प्रभारी विशाल पितलिया, दिनेश मरोठी, डॉ आलोक छाजेड़, राकेश पोखरणा, सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू बोथरा सहित सभी का स्वागत किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन दिनेश मरोठी ने किया। मंत्री संदीप बैद ने संचालन किया।

पर्युषण में सामयिक और पौषध की साधना करनी चाहिए : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिन पर अपने प्रवचन में 11 वार्षिक कर्तव्यों की जानकारी देते हुए पालन करने की सलाह दी। आचार्यश्री ने पौषध कर्त्तव्य के बारे में बताते हुए कहा कि पौषध करना यानी आत्मा का पोषण करना। आजकल सब शरीर का पोषण करते हैं। इन आठ दिनों में आत्मा का पोषण करें। सामायिक प्रतिक्रमण पौषध करें। जिस तरह हार्ट सर्जरी करते हैं, उसी तरह पौषध से आत्मा की सर्जरी होती है। इन आठ दिनों में इंद्रियों को ब्रेक दें। भगवान महावीर ने कहा है कि पर्युषण में सामयिक और पौषध की साधना करनी चाहिए। समता की साधना करते हुए ममता को छोड़ना चाहिए। जिस प्रकार पाटे के चार पायों में से एक पाया नहीं होने से पाटा डगमगाने लगता है, उसी तरह डगमग जीवन को संतों के समागम से स्थिर बनाएं। संसार में आनंद-सुख नहीं है। भक्ति का एक छोटा सा दीपक जलाएं जिससे जीवन संवर जाएगा। आचार्यश्री ने कहा कि कल्पसूत्र आगमग्रंथों में सर्वाधिक उपकारी ग्रंथ है जिसे सुनने वाले भवसागर से पार हो जाते हैं। इस ग्रंथ को सुनने भर से ही लोग दुखों से मुक्त हो जाते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। कल्पसूत्र जैन धर्म का पवित्र ग्रंथ है। शुक्रवार को कल्पसूत्र घर पर ले के जाने का लाभ मनोजकुमार, दिनेशकुमार छाजेड परिवार को मिला।

क्षमा व सहनशीलता की प्रतिमूर्ति थे महान साधक गजसुकुमाल : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन अन्तगड सूत्र के माध्यम से सूत्र में वर्णित महान करुणा मूर्ति श्री गजसुकुमाल मुनि के चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि अपूर्व सहनशीलता, क्षमा, समता और करुणा की प्रतिमूर्ति थे महान साधक गजसुकुमाल मुनि। गजसुकुमाल ने गर्म गर्म अंगारे की अपार तीव्र वेदना को भी समभाव से सहन किया और सामने वाले पर जरा भी क्रोध, विषम भावों को नहीं लाते हुए महान क्षमा के गुण को धारण करते हुए सब कर्मो की निर्जरा कर परम पद मुक्ति को प्राप्त किया। ऐसे अपूर्व सहनशीलता, समता और क्षमा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आगम के इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर अपना नाम अंकित कराते हुए संसार में अमर हो गए।

संतश्री ने कहा कि दया, क्षमा, समता आत्मा के स्वाभाविक गुण हैं। जो साधक क्षमा गुणों को अपने जीवन में आत्मसात कर लेता है उसके लिए मुक्ति पद पाने की राह आसान हो जाती है। जब तक शरीर में चैतन्य सत्ता है तब तक जीव को दया का पालन करना चाहिए। क्षमा और करुणा का गुण अपना कर इंसान अपने जीवन को भी निर्मल शुद्ध, पवित्र, ज्योतिर्मय बना सकता है। बस आवश्यकता है सच्चे अर्थों में समता, सहनशीलता, क्षमा भाव को अपनाने की। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने अंतगड सूत्र का वाचन किया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने व्रत नियम के पच्चखान करवाते हुए मंगल पाठ प्रदान किया। संचालन राजेश मेहता ने किया।

क्षमा की साधना है पर्युषण पर्व : साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन साध्वीश्री अणिमाश्री ने प्रवचन में कहा कि पर्युषण पर्व साधना क्षमा की साधना है। भीतरी कषाय को नष्ट करना है। इस जीवन में माता-पिता के ऋण से मुक्त होना मुश्किल है। चरम तीर्थंकर श्रमण भगवान महावीर स्वामी ने भी माता त्रिशला की खूब सेवा की। मां के समान इस दुनिया में ममतामयी कोई भी नहीं है। दो बातें प्रसिद्ध है मां की ममता और साधु की समता। साध्वी कंचनकंवरजी ने कहा कि इस दुनिया की सृजन शक्ति होती है मां। माता-पिता जो आशीर्वाद देते हैं, उसे भगवान टाल नहीं सकते। मां भगवान का मंदिर है। माता-पिता के चरणों में जन्नत है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि शुक्रवार को 31 उपवास के प्रत्याख्यान लेने वाली आरती रांका का संघ की ओर से सम्मान किया गया। अध्यक्ष दीपचंद भंसाली ने स्वागत किया, मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

'अमृता' की छात्रा श्रेया अनीश ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीता

चेन्नई। यहां अमृता की पाककला का गौरव वैश्विक मंच पर चमका। श्रेया अनीश ने वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ शेफ्स सोसाइटीज़ द्वारा समर्थित 2025 होटेलएक्स चाइना इंटरनेशनल चाइनीज़ क्यूज़ीन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2.50 लाख रुपयेपुरस्कार के साथ विदेशी चैंपियनशिप जीती। चेन्नई के अमिरता इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में होटल मैनेजमेंट में एमबीए की छात्रा श्रेया अनीश ने 24 से 26 जुलाई तक चीन के चेंगदू में आयोजित 2025 होटल एक्स चाइना इंटरनेशनल चाइनीज क्यूजीन चैंपियनशिप में व्यक्तिगत खाद्य कला प्रदर्शन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया है।

।। श्री जीण मातायै नमः ।। ।। श्री हर्ष नाथाय नमः ।। ।। श्री गणेशाय नमः ।।
श्री जीण माँ के दीवाने, बेंगलोर
माँ जीण और बाबा हर्षनाथ के आशीर्वाद से
माँ जीण के दीवाने द्वारा माँ जीण का भव्य
द्वितीय वार्षिकोत्सव
रविवार, 24 अगस्त 2025
मंगल पाठ : अपराह्न 3.15 बजे से कोलकाता के नृत्य कलाकारों द्वारा माँ जीण के चरित्र पर आधारित नृत्य नाटिका व राधे-कृष्ण की रासलीला की प्रस्तुति
विशेष आकर्षण :
कोलकाता के कारीगरों द्वारा माँ का भव्य दरबार राजस्थानी संस्कृति के आधार पर सजाया जायेगा ।
उत्सव स्थल : बसेश्वरा कल्याण मंडप, होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन, विजयनगर, बेंगलोर
छप्पन भोग एवं महाप्रसाद : सायं 8.30 बजे से
मंगलपाठ वाचक एवं भजन गायक :

रविश सोनी, सोनम सोनी एवं गुरु गुलशन सोनी (जयपुर)

-:* पावन सान्निध्य *:-
श्री धनंजयजी पाराशर
(जीण धाम पुजारी कोलकाता)
आप सभी भक्तप्रेमी बन्धु ईस्ट-मित्रों सहित सपरिवार उपरोक्त कार्यक्रमों में सादर आमंत्रित हैं। आयोजक : श्री जीण माँ के दिवाने
संपर्क सूत्र : राजकुमार अग्रवाल-9341240034, नवरंग लाल सुल्तानिया-9342814145, बिपीन अग्रवाल-9341289316, मन्नालाल भामा-9449222469, राजेन्द्र नाथानी-9742072037
विज्ञापन सौजन्य : भामा परिवार (रतनगढ़ वाले)
SREE JEENMATA JEWELLERS
30, 4th Floor , B.T. Street, Anchepet, Avenue Raod Cross, B'lore 53
Mb : 6363053247, 7483217024, 9449222469, 8660338978

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com